मरकुस रचित सुसमाचार

यीशु के आवे के तइयारी

(मत्ती 3:1-12; लूका 3:1-9, 15-17; यूहन्ना 1:19-28)

1 [1]ई परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के शुभ समाचार के
शुरूआत हऽ। [2]भविष्यवक्ता यशायाह के किताब में
लिखल बा कि:

> "सुनऽ! हम आपन दूत तहरा से पहिले भेज रहल
> बानी। उ तहरा खातिर राह तइयार करिहन।"
>
> *मलाकी 3:1*

3 "जंगल में कवनो बोलावेवाला के सबद सुनाई दे
रहल बा: 'प्रभु के खातिर राह तइयार करऽ। अउरी
उनका खातिर राह सीधा बनावऽ।' "

यशायाह 40:3

[4]यूहन्ना लोगन के जंगल में बपतिस्मा देत आइल रहलन।
उ लोगन से पाप के माफी खातिर, मन फेरे वाला बपतिस्मा
लेबे के कहलन। [5]फेरु समूचा यहूदी देश अउरी यरूशलेम
के लोग उनका लगे गइलन अउरी उ यर्दन नदी में ओहन
लोग के बपतिस्मा दिहलन। काहेंकि उ लोग आपन पाप
मान लिहले रहलन।

[6]यूहन्ना ऊँट के बाल से बनल कपड़ा पहिनत रहलन
अउर डांड़ पर चमड़ा के पेटी बन्हले रहत रहलन। उ टिड्डी
अउर जंगली मधु खाइत रहलन।

[7]उ एह बात के प्रचार करत रहलन: "हमरा बाद, हमरा से
बेसी मजबूत एगो आदमी आ रहल बा। हम एह लायक भी
नइखीं कि झुक के उनकर जूता के गिरह तक खोल सकीं।
[8]हम तहरा के पानी से बपतिस्मा देत बानी, बाकी उ पवित्र
आत्मा से तहरा के बपतिस्मा दीहन।"

यीशु के बपतिस्मा अउर उनकर जाँच

(मत्ती 3:13-17; लूका 3:21-22)

[9]ओह समय में अइसन भइल कि यीशु, नासरत से गलील
अइलन अउर यर्दन नदी में, उ, यूहन्ना से बपतिस्मा लिहलन।
[10]जइसही उ पानी से बहरी अइलन, उ आसमान के खुलल
देखलन। अउरी देखलन कि, एगो कबूतर के रूप में, आत्मा
उनका पर उतर रहल बा। [11]फेरु आकाशबानी भइल: "तू
हमार बेटा हवऽ, जेकरा से हम प्यार करेनी। हम तहरा से
बहुत खुश बानी।"

यीशु के इम्तहान

(मत्ती 4:1-11; लूका 4:1-13)

[12]फेरु आत्मा उनका के तुरंत एगो सूनसान जंगल में
भेज दिहलस। [13]जहँवा, चालीस दिन तक शैतान उनकर
इम्तहान लेत रहल। उ जंगली जानवर के संगे रहलन अउर
स्वर्गदूत उनकर सेवा करत रहलन।

यीशु के काम के शुरूआत

(मत्ती 4:12-17; लूका 4:14-15)

[14]यूहन्ना के जेल में, डालल गइला के बाद यीशु गलील
अइलन। अउर परमेश्वर के राज के सुसमाचार के परचार करे
लगलन। [15]उ कहलन, "समय पूरा हो गइल बा। परमेश्वर के
राज आ रहल बा। मन के फेरऽ अउरी सुसमाचार में विश्वास
करऽ।"

यीशु के जरिए कुछ चेलन के चुनाव

(मत्ती 4:18-22; लूका 5:1-11)

[16]जब यीशु गलील झील के किनारा से होके जात रहलन, उ
शमौन अउर शमौन के भाई अन्द्रियास के देखलन। काहेंकि उ
लोग मल्लाह रहले अउर एहीसे झील में जाल डालत रहलन।
[17]यीशु उनका से कहलन, "हमरा पीछे आवऽ, अउरी हम
तहन लोग के आदमी के मछुआरा बनाईब।" [18]उ लोग तुरंत
आपन जाल छोड़ दिहलन अउर उनकरा पीछे चल दिहलन।

[19]फेरु थोरे अउर आगे बढ़ के यीशु जब्दी के बेटा याकूब
अउर उनकर भाई यूहन्ना के देखलन। उ लोग अपना नाव में,
जाल के मरम्मत करत रहलन। [20]उ, ओहन लोग के तुरंत
बोलवलन। एह से उ लोग आपन पिता जब्दी के मजदूरन के
साथ नाव में छोड़ के, उनका पीछे चल दिहलन।

शैतान आत्मा के कब्जा से मुक्ति

(लूका 4:31-37)

[21]अउर कफरनहूम पहुँचलन। फेरु अगिला सब्त के दिन
यीशु आराधनालय में गइलन, अउरी लोगन के उपदेश देबे
लगलन। [22]उनकर उपदेश से लोग अचरज में आ गइलन।
काहेंकि उ, ओहन लोग के कवनो धरम ग्रंथ के जानकार के
जइसन ना, एगो अधिकारी के जइसन उपदेश देत रहलन।
[23]उनकर यहूदी अराधनालय में संजोग से एगो अइसन
आदमी भी रहल, जेकरा में कवनो शैतान आत्मा घुसल रहे। उ
चिल्ला के कहलस, [24]"नासरत के यीशु! तहरा हमनी से का

चाहीं? का तू हमनी के नाश करे आइल बाड़ऽ? हम जानत बानी कि तू के हवऽ, तू परमेश्वर के पवित्र आदमी हवऽ।"
25एह पर यीशु ओकरा के डाँटत कहलन, "चुप रहऽ! अउर एहमें से बहरी निकल!" 26शैतान आत्मा ओह आदमी के जोर से हिलवलस अउर जोर से चिचिआत, ओकरा में से निकल गइल।
27हर आदमी अचरज से भर गइल। एतना अचरज, कि सभे केहू आपस में एक दोसरा से पूछे लागल, "इ का हऽ? हक के संगे दिहल गइल एगो नया उपदेश! ई शैतानी आत्मा के भी हुकूम देबेला अउर उ मान लेबेलीसऽ।" 28एह तरह से गलील अउर ओकरा आसपास हरेक जगह यीशु के नाम जल्दी से फइल गइल।

यीशु के जरिए ढेर आदमी के चंगा कइल गइल

(मत्ती 8:14-17; लूका 4:38-41)

29फेरु उ अराधनालय से निकल के, याकूब अउर यूहन्ना के संगे सीधा शमौन अउर अन्द्रियास के घरे पहुँचलन। 30शमौन के सास बोखार से कष्ट में रहली एह से उ, यीशु के तुरंत ओकरा बारे में, बतवलन। 31यीशु उनका लगे गइलन अउर हाथ पकड़ के उनका के उठवलन। तुरंत उनकर बोखार उतर गइल, अउरी, उ उनकर सेवा करे लगली।
32सूरूज डूबला के बाद जब साँझ भइल तब ओइजा के लोग, सब रोगी अउर दुष्ट आत्मा से परेशान लोगन के, उनकरा पास ले अइलन। 33पूरा नगर उनकरा दुआरी पर जुट गइल। 34उ तरह तरह के रोग-दुख से परेशान ढेर लोगन के ठीक कर दिहलन अउर ढेर लोगन के दुष्ट आत्मा से आजाद करवलन। काहे कि उ सब उनकरा के जानत रहलीसन, एह से उ, ओहनी के बोले ना दिहलन।

लोगन के सुसमाचार सुनावे के तइयारी

(लूका 4:42-44)

35अन्हार रहते, सबेरे-सबेरे उ घर छोड़ के कवनो अलग जगह पर चल गइलन, जहाँ उ प्रार्थना कइलन। 36बाकी शमौन अउरी उनकर साथी उनकरा के खोजे निकललन 37अउर उनका के पाइ के कहलन, "हर आदमी तहरा खोज में बा।"
38एह पर यीशु ओहन लोग से कहलन, "हमनी के दोसरा नगर में जाये के चाहीं जवना से कि ओइजा भी उपदेश दिहल जा सके, काहेंकि हम एही खातिर आइल बानी।" 39एह तरह से उ गलील में सब जगह, आराधनालयन में उपदेश देत अउर दुष्टात्म सब के निकालत गइलन।

कोढ़ से छुटकारा

(मत्ती 8:1-4; लूका 5:12-16)

40फेरु एगो कोढ़ी उनका लगे आइल। उ, उनका सामने झुक के उनका से विनती कइलस अउरी कहलस, "अगर तू चाहऽ, तऽ तू हमरा के ठीक कर सकत बाड़ऽ।"
41उनका ओकरा पर दया आइल अउर उ आपन हाथ फइला के ओकरा के छुअलन अउर कहलन कि, "हम चाहत बानी कि तू नीमन हो जा!" 42अउर ओकरा तुरंत कोढ़ से छुटकारा मिल गइल। उ एकदम से शुद्ध हो गइल।
43यीशु उनका के कड़ा हिदायत दिहलन अउर तुरंत भेज दिहलन। 44यीशु उनका से कहलन, "देखऽ एकरा बारे में तू केहू के कुछउ मत बतइहऽ। बाकी याजक के पास जा अउर उनका के अपने आप के देखावऽ। अउर मूसा के नियम के अनुसार आपन ठीक होखे के उपहार दऽ जवना से कि सब के तोहर ठीक भइला के गवाही मिले।" 45बाकी उ बहरी जा के, खुले-आम, एह बारे में लोगन से बतिया के एकर प्रचार करे लगलन। एह से यीशु फेरु कबो नगर में खुले-आम ना जा सकलन। उ अलग, सूना जगह पर रहे लगलन, बाकी लोग हर जगह से उनका लगे आवत रहलन।

लकवा के रोगी के ठीक कइल गइल

(मत्ती 9:1-8; लूका 5:17-26)

2 1कुछ दिन के बाद यीशु लौट के कफरनहूम अइलन तऽ ई खबर फइल गइल कि उ घर में बाड़न। 2फिर ओइजा अतना लोग जुट गइलन कि दरवाजा के बाहर भी तिल राखे के जगह ना बाचल। जब यीशु लोगन के उपदेश देत रहलन 3तऽ कुछ लोग लकवा के रोगी के चार आदमी से उठवा के ओइजा ले अइलन। 4बाकी भीड़ के चलते उ लोग, ओकरा के यीशु के पास ले ना जा सकलन। एह से जहँवा यीशु रहलन, उनका उपर के छत के कुछ हिस्सा के ओहन लोग हटवलन अउर जब उ लोग छत के खोद के एगो छेद बना लिहलन तब, उ लोग जवना बिछवना पर लकवा के रोगी सूतल रहे, ओकरा के नीचे लटका दिहलन। 5ओहन लोग के अतना पक्का विश्वास देख के यीशु, लकवा के रोगी से कहलन, "हे बेटा, तोहार पाप माफ हो गइल।"
6ओह समय ओइजा कुछ धरमशास्त्री भी बइठल रहलन। उ लोग आपन आपन मन में सोचत रहलन, 7"ई आदमी एह तरह से बात काहें कर रहल बा? ई त परमेश्वर के बेइज्जती कर रहल बा। परमेश्वर के छोड़ के, अउर के पाप के माफ कर सकेला?"
8यीशु अपना आत्मा में तुरंत ई जान गइलन कि उ लोग मनेमन का सोच रहल बाड़न। उ उनका लोगन से कहलन, "तहन लोग अपना मन में अइसन बात काहें सोच रहल बाड़ लोग? 9आसान का बा: एह लकवा के रोगी से ई कहल कि तहार पाप माफ हो गइल, या कि ई कहल कि, उठऽ आपन बिछवना उठावऽ अउर चल दऽ? 10बाकी हम साबित करब कि एह धरती पर मनुष्य के बेटा के ई हक बा कि उ पाप के

माफ कर देबे।" फेरू यीशु ओह लकवा के रोगी से कहलन,
11"हम तहरा से कहत बानी, खड़ा हो जाऽ, आपन बिछवना
उठाव अउरी अपना घरे जाऽ।"
12एह से उ खड़ा भइल, तुरंत आपन बिछवना उठवलस
अउर ओहन लोग के देखते देखत बाहर चल गइल। ई देख
के उ लोग अचरज में पड़ गइल। उ लोग परमेश्वर के बड़ाई
कइलन अउर कहलन, "हमनी के कबो अइसन नइखीं जा
देखले!"

लेवी (मत्ती) यीशु के पीछे चले लगलन

(मत्ती 9:9-13; लूका 5:27-32)

13एक बार फेरु यीशु झील के किनारे गइलन तऽ पूरा भीड़
उनका पीछे-पीछे चल दिहलस। यीशु ओहन लोग के उपदेश
दिहलन। 14चलते चलत उ हलफई के बेटा लेवी के चुंगी
के चौकी पर बइठल देख के, ओकरा से कहलन, "हमरा
पीछे आवऽ" अउर लेवी खड़ा भइलन अउर उनका पीछे चल
दिहलन।
15एकरा बाद जब यीशु, अपना चेलन के संगे, उनका घरे
भोजन करत रहलन तऽ बहुत टैक्स वसूली करेवाला अउरी
पापी लोग भी उनका संगे भोजन करत रहलन। (एकरा में ढेर उ
लोग रहलन, जे उनका पीछे-पीछे चल आइल रहलन) 16जब
फरीसियन के कुछ धरमशास्त्री लोग ई देखलन कि यीशु पापी
लोग अउरी कर वसूली करे वालन के संगे, भोजन कर रहल
बाड़न तब उ लोग, उनकर अनुयायी लोग से कहलन, "यीशु
कर वसूले वालन अउर पापीयन के संगे भोजन काहें करेलन?"
17यीशु, ई सुन के, ओहन लोग से कहलन, "भला-चंगा
लोगन के वैद के जरूरत ना होखे, रोगियन के वैद के जरूरत
पड़ेला। हम धरमी लोगन के ना, बल्कि पापियन के बोलावे
आइल बानी।"

यीशु दोसर धरम गुरू लोग से अलग हवन

(मत्ती 9:14-17; लूका 5:33-39)

18यूहन्ना के चेला अउर फरीसियन के चेला लोग उपवास
करत रहलन। कुछ लोग यीशु के लगे अइलन अउर उनका
से पूछे लगलन, "यूहन्ना अउर फरीसियन के चेला लोग
उपवास काहें राखेलन? अउर तोहार चेला लोग उपवास
काहें ना राखसु?"
19एह पर यीशु उनका से कहलन, "इ बात तय बा कि
बाराती जब तक दूल्हा के संगे बाड़न, उनकरा लोग से उपवास
राखे के उम्मीद ना कइल जाला। जब तक दूल्हा उनकरा संगे
बा, उ लोग उपवास ना राखे। 20बाकी उ दिन आई, जब दूल्हा
के उनका से अलग कर दिहल जाई अउर तब, ओह घरी, उ
लोग उपवास करिहन। 21"केहू भी कवनो पुराना कपड़ा में,
बिना सिकुड़ल, कोरा कपड़ा के पेवन ना लगावेला। अउर अगर
लगावेला तऽ, कपड़ा के पेवन पुराना कपड़ा के भी ले बइठेला
अउर फाटल कपड़ा पहिले से भी बेसी फट जाई। 22अउरी एही
तरह से, पुराना मशक में केहू भी, नया दाखरस ना भरेला। अउर
केहू अइसन करी तऽ नया दाखरस, पुरान मशक के फाड़ दीही
अउर मशक के साथ-साथ दाखरस भी बरबाद हो जाई। एही से,
नया दाखरस नया मशक के थैली में ही भरल जाला।"

यहूदियन के जरिए, यीशु अउर उनकर चेलन के निंदा

(मत्ती 12:1-8; लूका 6:1-5)

23अइसन भइल कि सब्त के दिन यीशु खेत से हो के जात
रहलन। जात-जात, उनकर चेला सब, खेत से अनाज के
बाली तोड़े लागल लोग। 24एह पर फरीसी यीशु से कहे
लगलन, "देखऽ सब्त के दिन उ लोग अइसन काहें कर
रहल बा लोग जवन कि सही नइखे?"
25एह पर यीशु उनका से कहलन, "का तू कबो दाऊद के
बारे में नइखऽ पढ़ले कि उ का कइले रहलन जब उ अउर
उनकर साथी लोग संकट में रहलन अउर ओहन लोग के
भूख लागल रहे? 26तू का नइखऽ पढ़ले कि, जब अबियातार
महायाजक रहलन तब उ परमेश्वर के अराधनालय में कइसे
गइलन, परमेश्वर पर चढ़ावल गइल रोटी के उ कइसे
खइलन (जेकरा के खाइल, महायाजक के छोड़ के केहू
खातिर सही ना होला) कुछ रोटी उ, उनकरा के भी दिहले
रहलन जे उनका साथे रहलन?"
27यीशु उनका से कहलन, "सब्त आदमी खातिर बनावल
गइल बा, ना किं, आदमी सब्त के खातिर। 28एह से मनुष्य के
पुत्र, सब्त के भी प्रभु हऽ।"

सूखल हाथ वाला के ठीक कइल

(मत्ती 12:9-14; लूका 6:6-11)

3 1एक बार फेरु यीशु यहूदी आराधनालय में गइलन।
ओइजा एगो आदमी रहे, जेकर एगो हाथ सूख गइल
रहल। 2कुछ लोग घात लगवले रहलन कि, उ ओकरा के
ठीक करत बाड़न कि ना, जवना से कि ओहन लोग के, उनका
पर दोष लगावे के कवनो बहाना मिल जाव। 3यीशु, सूखल
हाथ वाला आदमी से कहलन, "लोगन के सामने खड़ा हो जा।"
4आउर लोगन से पूछलन, "सब्त के दिन केहू के नीमन
कइल सही बा कि केहू के नुकसान पहुँचावल? केहू के
जिनिगी बचावल ठीक बा कि केहू के मारल?" बाकी उ
लोग चुप रहलन।
5फेरु यीशु खीझ में चारो ओर देखलन अउर, उनकर मन
के सख्ती देख के उ बहुत दुखी भइलन। फेरु उ, ओह आदमी
से कहलन, "आपन हाथ आगे बढ़ावऽ।" उ हाथ बढ़वलस,
ओकर हाथ पहिले जइसन ठीक हो गइल। 6तब फरीसी

ओइजा से चल गइल अउर, हेरोदियन के संगे मिलके यीशु के खिलाफ, साजिस रचे लगलन कि उ लोग, उनकर हत्या कइसे कर सकत बाड़न।

बहुत लोग यीशु के पीछे हो गइलन

7यीशु आपन चेलन के साथ, झील गलील पर चल गइलन। उनका पीछे, एगो बड़की भीड़ भी चल दिहलस, जवना में गलील, 8यहूदिया, यरूशलेम, इदूमिया अउरी यर्दन नदी के पार के अउर सूर अउर सैदा के लोग भी रहलन। लोगन के ई भीड़, ओह करतब के बारे में सुन के उनका लगे आइल रहे, जेकरा के उ करत रहलन।

9भीड़ के चलते उ अपना चेलन से कहलन कि उ लोग, उनका खातिर एगो छोट नाव तइयार राखसु, जवना से कि भीड़ उनका के दबा ना लेउ। 10यीशु ढेर लोगन के ठीक कइले रहलन, एह से, ढेर ओहनी लोग जे रोगी रहलन, उनका के छूवे खातिर भीड़ में ढकेलत राह बनावत, उमड़त चलल आवत रहलन। 11जब कबो दुष्ट आत्मा यीशु के देखते रहली सन तऽ उ, उनका सामने नीचे गिर पड़त रहली सन अउर चिल्ला के कहत रहली सन, "तू परमेश्वर के पुत्र हवऽ!" 12बाकी उ, ओहनी के चेतावत रहलन कि उ सावधन रहसऽ अउर प्रचार मति करसऽ।

यीशु के जरिए आपन बारह प्रेरितन के चुनाव

(मत्ती 10:1-4; लूका 6:12-16)

13फेरू यीशु एगो पहाड़ पर चल गइलन, अउर उ जेकरा के उ चाहत रहलन, अपना लगे बोलवलन। 14जेकरा में उ बारहगो चुनलन अउर ओहन लोग के उ प्रेरित के पदवी दिहलन। उ, ओकरा के चुनलन, ताकि उ लोग उनका साथ रहो अउर उ ओहन लोग के उपदेश के प्रचार खातिर भेजसु। 15अउर उ लोग, दुष्ट आत्मा सब के खदेड़ के बाहर निकाले के अधिकार राखसु। 16एह तरह से उ बारह आदमी के बहाली कइले रहलन। ई लोग रहलन:

शमौन (जिनका के उ पतरस नाम दिहलन),
17 जब्दी के बेटा याकूब अउर याकूब के भाई यूहन्ना
(जेकर नाम उ बूअनर्गिस रखलन, जेकर माने होला "गर्जन के पुत्र"),
18 अंद्रियास,
फिलिप्पुस,
बरतुलमै,
मत्ती,
थोमा,
हलफई के बेटा याकूब,
तद्दी
अउर शमौन जिलौती चाहे कनानी
19 अउर यहूदा इस्करियोती (जे कि बाद में यीशु के धोखा से पकड़वा दिहले रहे)।

यहूदियन के कथन: यीशु में शैतान के बास बा

(मत्ती 12:22-32; लूका 11:14-23; 12:10)

20तब उ लोग घर चल गइलन। जहँवा एक बार फेरू अतना भारी भीड़ जुट गइल कि यीशु अउर उनकर चेला, खाना तक ना खा सकल लोग। 21जब उनकर परिवार के लोग ई सुनलन, तऽ उ लोग, उनका के लेबे चल दिहलन काहेंकि लोग कहत रहलन किं उनकर मन बस में नइखे।

22यरूशलेम से आइल धरम के जानकार लोग कहत रहलन, "उनका में बालजेबुल माने शैतान घुसल बा। उ दुष्ट आत्मा के सरदार के शक्ति के चलते ही दुष्ट आत्मा के बाहर निकाल देबेला।"

23यीशु ओहन लोग के अपना लगे बोलवलन अउर, उदाहरण देत, ओहनी लोग से कहे लगलन "शैतान, शैतान के कइसे निकाल सकत बा? 24अगर कवनो राज में, अपनही खिलाफ फूट पड़ जाउ तब उ राज टिकल ना रह सकेला। 25अउर अगर कवनो घर में अपने भीतर फूट पड़ जाउ तऽ उ घर बच ना पाई। 26एह से अगर शैतान अपनहीं आपन विरोध करत बा, अउर फूट डालत बा तऽ उ बनल ना रह पायी अउर ओकर अंत हो जाई।

27"कवनो मजबूत के मकान में घुस के, ओकर माल-पानी के लूट के, केहू तब तक नइखे ले जा सकत जब तक सबसे पहिले उ, ओह मजबूत आदमी के बाँध ना देउ। अइसन करके ही उ, ओकरा घर के लूट सकत बा।

28"हम तहरा से साँच कहत बानी, लोगन के हरेक बात के माफी मिल सकत बा, उनकर पाप, अउरी जवन निन्दा, बुरा-भला कहे के काम ओहनी कइले बाड़न उ सब भी माफ कइल जा सकेला। 29बाकी पवित्र आत्मा के जे केहूं भी बेइज्जत करी, ओकरा के कभी माफी ना मिली। उ अनन्त पाप के भागी बनी।"

30यीशु ई बात एह से कहले रहलन कि कुछ लोग कहत रहलन कि एकरा में कवनो दुष्ट आत्मा घुस गइल बीया।

यीशु के अनुयायी ही उनकर सच्चा परिवार

(मत्ती 12:46-50; लूका 8:19-21)

31ओही समय उनकर माई अउर भाई अइलन अउरी बाहर खड़ा होके उनका के भीतर से बोलवलन। 32यीशु के चारो ओर भीड़ लागल रहे। उ लोग उनका से कहलन, "देखऽ तहार माई, तहार भाई अउर तहार बहिन, तहरा के बाहर बोलावत बाड़न।"

33यीशु ओहन लोग के जवाब दिहलन, "हमार माई अउर हमार भाई के हऽ?" 34उनका के घेर के चारो ओर बइठल

लोगन पर उ नजर डललन अउर कहलन, "ई हवे लोग हमार
माई अउर भाई" 35जे केहू परमेश्वर के मर्जी से चलेला, उहे
हमार भाई, बहिन अउर माई हऽ।"

बीज बोवे के उदाहरण

(मत्ती 13:1-9; लूका 8:4-8)

4 1उ झील के किनारे उपदेश देबे फेरु शुरू कर
दिहलन। ओइजा उनका चारो ओर भारी भीड़ जुट
गइल। एहीसे उ झील में खड़ा एगो नाव पर जा बइठलन।
अउर सब लोग झील के किनारे धरती पर खड़ा रहलन। 2उ
उदाहरण दे के, ओहनी लोग के ढेर बात सिखवलन। अपना
उपदेश में उ कहलन,

3"सुनऽ! एक हाली एगो किसान बीज बोवे खातिर
निकलल। 4तब अइसन भइल जब उ बीज बोअलस,
तऽ कुछ बीज, राह के किनारे गिर गइल। चिड़िया
अइलीसन अउर खा गइलीसऽ। 5दोसर कुछ बीज
पथरीला धरती पर गिरल, जहँवा ढेर माटी ना रहल।
ओइजा गहिरा माटी ना रहे के चलते बीज जल्दीए उग
गइल। 6अउर जब सूरज उगल तऽ उ जर गइलेसऽ,
अउर जड़ ना पकड़े के चलते सूख गइलेसऽ। 7कुछ
अउर बीज काँटा में जा गिरलेसऽ। काँटा बड़ भइलेसऽ
अउर उ ओहनी के दबा दिहलेसऽ, जवना से कि ओहनी में
दाना ना परल। 8कुछ बीज नीमन धरती पर गिरलेसऽ।
उ उगलेसऽ, बढ़लेसऽ अउर उ नीमन अनाज पैदा कइले
सऽ। तीस गुना, साठ गुना अउर इहाँ तक कि सौ गुना
बेसी फसल पैदा भइल।"

9फेरु उ कहलन, "जेकरा लगे सुने खातिर कान बा, उ
सुने!"

यीशु के कहल: उ उदाहरण के उपयोग काहें करेलन

(मत्ती 13:10-17; लूका 8:9-10)

10फेरु जब उ अकेले रहलन, तऽ उनकर बारहों चेला के
संगे, जे लोग भी उनका अगल-बगल रहे, उ लोग उनका से
उदाहरण के बारे में पूछलन।

11यीशु ओहन लोग के बतवलन, "तहरा के तऽ परमेश्वर
के राज के भेद दे दिहल गइल बा बाकी उनका खातिर जे
बाहर के बा, सब बात उदाहरण में होलीसऽ:

> 12 'जवना से कि उ देखसु अउर देखते रहसु, बाकी
> उनका कुछ बुझाउ ना, सुनस अउर सुनतही रहस
> बाकी कुछ समझस ना। अइसन मत हो जाउ कि उ
> फिरसु अउरी माफ कइल जासु।' "
>
> *यशायाह 6:9-10*

बीज बोवे के उदाहरण के वर्णन

(मत्ती 13:18-23; लूका 8:11-15)

13उ ओहन लोग से कहलन, "अगर तू एह नमूना के नइखऽ
समुझत तऽ कवनो दोसर उदाहरण के कइसे समुझबऽ?
14किसान जवन बोवेला उ वचन हऽ। 15कुछ लोग किनारा
के उ राह हवन जहँवा वचन बोवल जाला। जब उ लोग
वचन के सुनेलन तब तुरंत शैतान आ जाला अउर जवन
वचन के रूप में बीज उनका में बोअल गइल बा, ओकरा
के उठा ले जाला।

16"अउर कुछ लोग अइसन हवन जइसे कि पथरीला
धरती में बोअल बीज। जब उ लोग वचन के सुनेलन, तऽ
ओकरा के तुरंत खुशी के साथ अपना लेबेलन। 17बाकी
ओकरा भीतर कवनो जड़ ना होखे, एहीसे उ थोड़े समय ही
ठहर पावेला, अउर बाद में जब वचन के कारण उनकरा पर
विपत्ति आवेले अउर उनका के जब कष्ट दिहल जाला, तब उ
लोग तुरंत आपन विसवास हार जालन।

18"अउर दोसर लोग अइसन हवन जइसे काँटा के बीच
में बोअल गइल बीज। ई उ हवन, जे वचन के सुनेलन।
19बाकी एह जीवन के चिंता फिकिर, धन दउलत के लालच
अउरी दोसर चीज के पावे के इच्छा उनका में जागेले अउर
वचन के दबा देबेले। जवना से कि ओकरा पर फल ना
लाग पावे।

20"अउर कुछ लोग ओइसन बीज के समान हवन, जे कि
नीमन धरती पर बोअल गइल होखे। ई लोग उ हउवन जे
वचन के सुनेलन अउर अपनावेलन। एकरा पर फल लागेला,
कही तीस गुना, कहीं साठ गुना तऽ कहीं सौ गुना से भी
बेसी।"

जवन तहरा पास बा, ओकर इस्तेमाल करऽ

(लूका 8:16-18)

21फेरु उ ओहन लोग से कहलन, "का कवनो दिया के कबो
एह खातिर ले आइल जाला कि ओकरा के कवनो बर्तन के
चाहे बिछवना के नीचे राख दिहल जाउ? का एकरा कवनो
दीयरखा के उपर राखे खातिर ना ले आइल जाला?

22काहें कि कुछउ अइसन छिपल ना होखेला, जवन
कि परगट ना होई, अउर कवनो अइसन राज के बात नइखे
जवन कि अँजोरा में ना आई। 23अगर केहू के लगे कान होखे
तऽ उ सुने!" 24फेरु उ उनका से कहलन, "जवन कुछ भी तू
सुनत बाड़ऽ, ओकरा पर धेयान से विचार करऽ, जवना नाप
से तू दोसरा के नापेलऽ, ओही नाप से तूहूँ नापल जइबऽ।
भले तहरा खातिर ओकरा में कुछ अउरू जोड़ दिहल जाई।
25जेकरा पास बा, ओकरा के अउर भी दिहल जाई, अउर
जेकरा पास नइखे, ओकरा लगे जवन कुछ बा, ओकरो के
ले लिहल जाई।"

बीज के उदाहरण

26फेरु उ कहलन, "परमेश्वर के राज अइसन बा, जइसे कि
कवनो आदमी खेत में बीज छींटे। 27रात में सूते अउर दिन
में जागे अउर फेरु बीज में अंखुआ निकले, उ बढ़े अउर पता
ना चले कि ई सब कैसे हो रहल बा । 28धरती अपने आप
अनाज उपजावेले। पहिले अंखुआ, फिर बाली अउर फिर
बालियन में पूरा अनाज। 29जब अनाज पाक जाला तब उ
तुरंत ओकरा के हँसुआ से काटेला, काहेंकि फसल काटे के
समय आ जाला।"

राई के दाना के उदाहरण

(मत्ती 13:31-32, 34-35; लूका 13:18-19)

30फेरु उ कहलन, "हम कइसे बताई कि, परमेश्वर के राज
कइसन बा? ओकर वर्णन करे खातिर हम कवन नमूना के
व्यवहार करीं? 31उ राई के दाना जइसन होखेला जवन कि
जब धरती में बोअल जाला, तब बीज में सबसे छोट होखेला।
32बाकी जब उ रोप दिहल जाला, तऽ बढ़ के जमीन के सब
पौधन से बड़ा हो जाला। ओकर डाली अतना बड़हन हो
जालस कि, हवा में उड़त चिरईं सब, ओकर छाँह में खोंता
बना सकेलीसऽ।"

33अइसहीं अउर ढेर उदाहरण देके, उ, उनका के वचन
सुनावत रहलन। उ उनकरा के, जतना उ समझ सकत
रहलन, ओतना बतावत रहलन। 34बिना कवनो उदाहरण
के, उ उनका से, कुछउ ना कहत रहलन। बाकी जब आपन
चेलन के साथ अकेले होखत रहलन तऽ सब कुछ के
मतलब बता के उनका के समुझावत रहलन।

बवंडर के शांत कइल

(मत्ती 8:23-27; लूका 8:22-25)

35ओह दिन जब साँझ भइल, यीशु, ओहन लोग से कहलन,
"चलऽ ओह पार चलीं जा।" 36एह से, उ लोग, भीड़ के छोड़
के, जइसे उ रहलन ओइसहीं, उनका के नाव पर संगे ले
के चललन। उनका साथे अउरी नाव रहली सऽ। 37एगो
तेज बवंडर उठल। लहर, नाव पर जोर जोर से हिलोर मारत
रहली सऽ। नाव पानी से भर जाये वाली रहल। 38बाकी यीशु
नाव के पिछिलका हिस्सा में तकिया लगा के सूतत रहलन।
उ लोग उनका के जगावल अउर उनका से कहलन, "हे गुरु,
का ई तहरा धेयान नइखे कि हमनी के डूब रहल बानी जा?"

39यीशु खड़ा भइलन। उ हवा के डँटलन अउर लहरन से
कहलन, "शान्त हो जा। रूक जा।" ओही घरी बवंडर रूक
गइल अउर चारो ओर एकदम से शांति छा गइल।

40फेरू यीशु उ लोग से कहलन, "तू लोग डेरात काहे
बाड़ऽ? का अभी तक तहन लोग के विश्वास नइखे?"

41बाकी उ लोग बहुत डेरा गइल रहलन। फेरु उ लोग
आपस में, एक दूसरा से कहलन, "आखिर ई के हवन? हवा
अउर पानी भी इनकर हुकूम मान रहल बा"

दुष्टात्मा से मुक्ति

(मत्ती 8:28-34; लूका 8:26-39)

5 1फेरु उ झील के ओह पार गिरासेनियन के देश में
पहुंचलन। 2यीशु जब नाव से बाहर अइलन तऽ कब्र
में से निकल के तुरंत एगो अइसन आदमी जेकरा में दुष्ट
आत्मा ढ़ुकल रहे, उनका से मिले आइल। 3उ कबरन के
बीच में रहत रहल। ओकरा केहू ना बाँध सकत रहल, इहाँ
तक की जंजीर से भी ना। 4काहेकि ओकरा जब जब बेड़ी
अउर हथकड़ी डालल जात रहल, उ ओह सब के तोड़ देत
रहल। जंजीर के टुकड़ा-टुकड़ा कर देत रहल अउर बेड़ियन के
चकनाचूर। केहू ओकरा के वश में ना कर पावत रहल। 5कब्र
अउर पहाड़ी के बीच में रात-दिन लगातार, उ चीखत-पुकारत
अउर अपना के घायल करत रहल।

6उ जब फरके से यीशु के देखलस, उ उनका लगे देउरल
आइल अउर उनका सामने प्रणाम करत गिर परल। 7अउर
जोर से पुकारत बोले लागल, "सबसे महान परमेश्वर के पुत्र,
हे यीशु! तू हमरा से का चाहत बाड़ऽ? तहरा के परमेश्वर के
किरिया देत बानी, हमार विनती बा, तू हमरा के कष्ट मत
दऽ।" 8काहें कि यीशु ओकरा से कहत रहलन, "अरे दुष्ट
आत्मा, एह आदमी में से निकल आव।"

9तब यीशु ओकरा से पूछलन, "तोर नाम का हऽ?"

अउर उ उनका के बतवलस, "हमार नाम लीजन, मतलब
सेना हऽ, काहेंकि हमनी के बहुत बानी जा।" 10उ यीशु से
बार बार विनती कइलस कि उ, ओहनी के ओह जगह से
मत निकालसु।

11ओइजे पहाड़ी पर ओह घरी, सुअरन के एगो बड़हन
झुंड चरत रहल। 12दुष्ट आत्मा उनका से विनती कइलीसन,
"हमनी के ओह सुअरन में भेज दऽ जवना से हमनी के ओहनी
मे घुस जाईं जा।" 13अउर उ ओहनी के आज्ञा दे दिहलन।
फेरु दुष्ट आत्मा सब, ओह आदमी में से निकल के सुअरन में
समा गइलीसन अउर उ झुंड,जवना में लगभग दू हजार सूअर
रहलेसऽ, ढ़ालू किनारा से, नीचे के ओर डगरत दउरत झील
में जा गिरल अउर फेरु ओइजे डूब मरल।

14फेरु झुंड के रखवार सब, जवन कि भाग गइल
रहलेसन, शहर अउर गाँव में जा के ई समाचार सुनवलेसऽ।
तब, जवन कुछ भइल रहे, ओकरा के देखे खातिर लोग
ओइजा अइलन। 15उ लोग यीशु के पास पहुँचलन अउर
देखलन कि उ आदमी, जेकरा पर दुष्ट आत्मा सवार रहलीसन,
कपड़ा पहिनले, पूरा तरह से होशोहवास में ओइजा बइठल
बा, अउर ई उहे रहल जेकरा में दुष्ट आत्मा के पूरा फौज
घुसल रहल, उ लोग डर गइलन। 16जे उ घटना देखले रहल,

लोगन के ओकर वर्णन करत बतवलन कि जेकरा में दुष्ट आत्मा घुसल रहली सऽ, ओकरा पर अउर सुअरन पर का बीतल। 17तब लोग उनका से विनती करे लागल कि उ ओहन लोग के इहाँ से चल जासु।

18अउर फेरु जब यीशु नाव पर चढ़त रहलन, तबहीं, जवना आदमी में दुष्ट आत्मा रहली सऽ, यीशु से विनती करे लागल कि, उ ओकरा के भी अपना संगे लें चलसु। 19बाकी यीशु ओकरा के अपना संगे चले के आज्ञा ना दिहलन। अउर ओकरा से कहलन, "अपने लोगन के बीच, घर चल जा अउर ओहन लोग के उ सब बतावऽ जवन कि प्रभु तहरा खातिर कइले बाड़न। अउर, ओह लोग के इहो बतावऽ कि प्रभु कइसे दया कइलन।"

20फेरु उ चल गइल अउर दिकपुलिस के लोगन के बतावे लागल कि यीशु, ओकरा खातिर केतना बड़हन काम कइले बाड़न। एह बात से सब लोग के अचरज भइल।

एगो मुअल लड़की अउर रोगी औरत

(मत्ती 9:18-26; लूका 8:40-56)

21यीशु जब फेरु ओह पार गइलन, तब उनका चारो ओर एगो भारी भीड़ जमा हो गइल। उ झील के किनारे रहलन। तबहीं 22यहूदी आराधनालय के एगो साहेब जेकर नाम याईर रहल, ओइजा आइल आउर जब उ यीशु के देखलस तऽ उनका गोड़ पर गिड़ के 23निहोरा के साथ विनती करत कहलस, "हमार छोट बेटी मरे खातिर परल बीया, हमार विनती बा कि तू हमरा संगे चलऽ अउर आपन हाथ ओकरा माथा पर राख दऽ जवना से कि उ नीमन हो के जिन्दा रहे।"

24तब यीशु उनका संगे चल दिहलन, अउर भारी भीड़ भी उनका संगे चल दिहलस। जेकरा से उ दबल जात रहलन।

25ओइजे एगो औरत रहे, जेकर बारह बरिस से लगातार खून जात रहल। 26उ बहुत डाक्टरन से इलाज करावत-करावत दुखी हो गइल रहे। ओकरा लगे जवन कुछ रहे, सब खरचा कर चुकल रहे, बाकी ओकर हालत में कवनो सुधार ना होखत रहे, भले अउरी बिगड़ले जात रहे।

27जब उ यीशु के बारे में सुनलस तऽ उ भीड़ में उनका पीछे आइल अउर उनकर कपड़ा छू लिहलस। 28उ मने-मने कहत रहल, "अगर हम तनिको इनकर कपड़ा छू पाइब तऽ ठीक हो जाइब।" 29अउर फेरु जहाँ से खून जात रहल, उ निकासी के जरिया तुरंत सूख गइल। ओकरा अपना शरीर में अइसन मालूम भइल जइसे कि ओकर रोग ठीक हो गइल होखे। 30यीशु भी तुरंत अनुभव कइलन जइसे उनकर शक्ति उनका में से बाहर निकलल होखे। उ भीड़ में पीछे के ओर घूमलन अउर पूछलन, "हमार कपड़ा के छुअल?"

31तब उनकर चेला, उनका से कहलन लोग, "तू देख रहल बाड़ऽ भीड़ तहरा के चारो ओर से दबवले जात बीया अउर तू पूछत बाड़ऽ कि 'हमरा के, के छूअल?"

32बाकी उ चारो ओर देखते रहलन कि अइसन के कइल। 33फेरु उ अउरत, ई जानत कि ओकरा का भइल बा, डर से काँपत सामने आइल अउर उनका गोड़ पर गिर के सब साँच कह दिहलस। 34फेरु यीशु, ओकरा से कहलन, "बेटी तोर विश्वास तोरा के बचवले बा। निश्चिन्त होके जा अउर अपना बीमारी से बचल रहऽ।"

35उ अभी बोलते रहलन कि यहूदी आराधनालय के साहेब के घर से कुछ लोग आइल, अउर उनका से कहल, "तहार बेटी मर गइल बीया। अब तू गुरू के बेमतलब के कष्ट काहें के देत बाड़ऽ?"

36बाकी यीशु, उ लोग जवन कहले रहलन, सुनलन अउर यहूदी अराधनालय के साहेब से बोललन, "डेरा मत, बस विश्वास करऽ।"

37फेरु उ सबके छोड़ के, बस पतरस, याकूब अउर याकूब के भाई यूहन्ना के साथे ले के 38यहूदी आराधनालय के साहेब के घरे गइलन। उ देखलन कि ओइजा खलबली मचल बा; अउर लोग खूब जोर जोर से रोअत, आपन दुख परगट कर रहल बाड़न। 39उ भीतर गइलन अउर उनका से कहलन, "ई रोअल धोअल काहें खातिर हो रहल बा? बच्ची मुअल नइखे; उ सूत रहल बीया।" 40एह पर उ लोग, उनकर हँसी उड़वलन।

फेरु उ सब लोगन के बाहर भेज दिहलन अउर बच्ची के पिता, माता अउर जे भी ओकरा संगे रहलन, बस ओकरे के उ संगे रखलन। 41उ बच्ची के हाथ पकड़लन अउर कहलन, "तलीता, कूमी।" (मतलब "छोट बच्ची, हम तहरा से कहत बानी, खड़ा हो जा।") 42फेरु छोट बच्ची ओही घरी खड़ा हो गइल अउर एने-ओने चले फिरे लागल। (उ लड़की बारह बरिस के रहे) लोग तुरंत अचरच से भर गइलन। 43यीशु ओहनी लोग के बड़ आदेश दिहलन कि केहू के भी, एकरा बारे में मालूम ना होखे। फेरु उ ओहनी लोग से कहलन कि उ लोग बच्ची के खाए खातिर कुछ देसु।

यीशु के आपन नगर गइल

(मत्ती 13:53-58; लूका 4:16-30)

6 1फेरु यीशु ओह जगह के छोड़ के अपना नगर खातिर चल दिहलन। उनकर चेला लोग भी उनका संगे रहलन। 2जब सब्त के दिन आइल, उ आराधनालय में उपदेश देबे शुरू कइलन। ओकरा के सुन के बहुत लोग अचंभित हो गइलन। उ लोग कहलन, "इनका ई सब बात कहाँ से मिलल बाड़ी सन? ई कइसन बुद्धिमानी बीया जवन कि इनका के दिहल गइल बीया? ई अइसन अचरज से भरल काम कइसे करत बाड़न? 3का ई उहे बढ़ई ना हवन,

जे कि मरियम के बेटा हऽ, अउर का ई याकूब, योसेस, यहूदा अउर शमौन के भाई ना हवन? का ई जे हमनी के संगे रहत बाड़ी सऽ, इनकर बहिन ना हईसन?" एह से उ लोग के, उनका के मंजूर करे में परेशानी होत रहल।

4यीशु तब उनकरा लोग से कहलन, "कवनो नबी के आपन देश, संबंधी अउर परिवार के छोड़ के अउर कतहूँ बेइज्जती ना होखेला।" 5ओइजा उ कवनो अचरज वाला काम भी ना कर सकेला, बस एकरा अलावा कि उ कुछ रोगीयन के उपर हाथ राख के, ओहनी के ठीक कर देउ। 6यीशु के ओहन लोग के विश्वास ना कइला पर बहुत अचरज भइल। फेरु उ गाँव में लोगन के उपदेश देत घूमे लगलन।

सुसमाचार के प्रचार खातिर चेलन के भेजलन

(मत्ती 10:1, 5-15; लूका 9:1-6)

7उ बारहो चेलन के अपना लगे बोलवलन। अउर दू दू गो कइके बाहर भेजे लगलन। उ, ओहन लोगन के दुष्ट आत्मा पर अधिकार दिहलन। 8अउर ई आदेश दिहलन, "रउआ सब, आपन जतरा खातिर लाठी के छोड़ि के, अउर कुछउ मति लीहीं। ना रोटी, ना बिछवना, नाही थइली में पइसा। 9रउआ चप्पल तऽ पहन सकत बानी बाकी कवनो अउर कुर्ती ना। 10जवन कवनो घर में तू जा, ओइजा ओह घरी तक ठहरऽ, जब तक ओह नगर के छोड़ऽ। 11"अउर अगर कवनो जगह पर तोहर आव भगत ना होखे, अउर ओइजा के लोग तहरा के ना सुनसु, तऽ ओकरा के छोड़ दऽ। अउर उनका विरोध में गवाही देबे खातिर अपना गोड़ से ओइजा के धूल झाड़ दऽ।"

12फेरु उ ओइजा से चल गइलन। अउर उ उपदेश दिहलन, "लोगन, मन फिरावऽ।" 13उ ढेरे दुष्ट आत्मा सब के बाहर निकललन अउर ढेर रोगीन के जैतून के तेल से अभिषेक करत नीमन कर दिहलन।

हेरोदेस के विचार: यीशु यूहन्ना हवन

(मत्ती 14:1-12; लूका 9:7-9)

14राजा हेरोदेस एह [a] बारे में सुनलन; काहेकि यीशु के नाम चारो ओर फइल चुकल रहल। कुछ लोग कहत रहलन, "बपतिस्मा [b] देबे वाला यूहन्ना मरल सब में से जी उठल बाड़न अउर एहीसे, उनका में, अजीब शक्ति काम कर रहल बाड़ी सऽ।"

15दोसर लोग कहत रहन, "उ एलिय्याह हवन।"

कुछ अउर लोग कहत रहलन, "ई नबी हवन चाहे पुराना जमाना के नबियन जइसन एगो केहू हऽ।"

16बाकी जब हेरोदेस ई सुनलन तऽ उ बोललन, "यूहन्ना जेकर मूड़ी हम कटवा देले रहनी, उहे जी उठल बाड़न।"

बपतिस्मा देबे वाला यूहन्ना के हत्या

17काहें कि हेरोदेस अपने ही यूहन्ना के कैदी बनावे अउर जेल में डाले के हूकुम दिहले रहलन। उ, अपना भाई फिलिप के मेहरारू हेरोदियास के चलते, जेकरा से उ बिआह कर लिहले रहलन, अइसन कइलन। 18काहें कि यूहन्ना, हेरोदेस से कहल करसु, "ई सही नइखे, कि तू अपना भाई के मेहरारू से बिआह कर लिहले बाड़ऽ।"

19एह पर हेरोदियास उनका से दुश्मनी राखे लागल रहली। उ चाहत रहली कि उनका के मार दिहल जाउ बाकी मार ना पावत रहली। 20काहें कि हेरोदेस, यूहन्ना से डेरात रहलन। हेरोदेस जानत रहलन कि यूहन्ना एगो साँच अउर पवित्र आदमी हवन, एहीसे उ, उनकर रक्षा करत रहलन। हेरोदेस जब यूहन्ना के बात सुनत रहलन तऽ उ बहुत घबरात रहलन, तबहुँ, उनका, उनकर बात सुने में नीमन लागत रहल।

21संयोग से फेरु उ समय आइल जब हेरोदेस, ऊँचा अधिकारी लोग, सेना के नायक अउर गलील के बड़ा लोगन के अपना जन्मदिन पर एगो भोज दिहलन। 22हेरोदियास के बेटी, भीतर आके जवन नाच नचलस, ओकरा से, उ भोज में आइल मेहमान अउर हेरोदेस के बहुत खुश कइलस।

एह पर राजा हेरोदेस लड़की से कहलन, "माँगऽ, जवन कुछ तहरा चाहीं। हम तहरा के देब।" 23फेरु उ, ओकरा से किरिया खा के कहलन, "हमरा आधा राज तक जवन कुछ तू मंगबू, हम तहरा के देब।"

24एह पर उ बाहर निकल के अपना माई के पास गइल अउर ओकरा से पूछलस, "हमरा का माँगे के चाहीं?"

फेरु माई बतवलस, "बपतिस्मा देबे वाला यूहन्ना के मूड़ी।"

25तब उ तुरंत दउड़ के राजा के पास भीतर आइल अउर कहलस, "हम चाहत बानी कि तू, हमरा के बपतिस्मा देबे वाला यूहन्ना के मूड़ी तुरंत थाली में राख कर के दऽ।"

26एह पर राजा बड़ा दुखी भइल, बाकी आपन कसम अउर आपन भोज के मेहमानन के चलते उ ओह लड़की के मना कइल ना चाहत रहलन। 27एह से राजा, ओकर मूड़ी ले आवे के आदेश देके तुरंत एगो जल्लाद भेज दिहलन। 28अउर ओकरा के थाली में राखके, ओह लड़की के दिहलन। अउर लड़की ओकरा आपन माई के दे दिहलस। 29जब यूहन्ना के चेला सब एह बारे में सुनलन तऽ उ लोग आके उनकर मरल देह के ले गइलें अउर एगो कब्र में रख दिहलन लोग।

---

[a] ***6:14*** **हेरोदेस** मतलब हेरोद अंतिमस, अउरी पेरि के राजा अउर हेरोद के बेटा।

[b] ***6:14*** **बपतिस्मा ई** यूनानी भाषा के एगो शब्द हऽ जवना के माने होखेला, पानी में डुबकी दिहल। ई एगो धार्मिक क्रिया हऽ।

यीशु पाँच हजार से ज्यादा के भोजन करवलन

(मत्ती 14:13-21; लूका 9:10-17; यूहन्ना 6:1-14)

30फेरु महान संदेश के प्रचार करेवाला, प्रेरितन, यीशु के
पास जुट के, जवन कुछ उ कइले रहलन अउर सिखवले
रहलन, सब उनका के बतवलन। 31फेरु यीशु ओहन लोग
से कहलन, "तहन लोग हमरा साथे कवनो सूना स्थान पर
चलऽ अउर थोरे आराम करऽ लोग।" काहें कि ओइजा बहुत
लोगन के आना जाना लागल रहे अउर ओहन लोग के खाए
तक के भी मौका ना मिल पावत रहे।

32एह से उ लोग अकेले ही एगो नाव में बैठ के कवनो
सूनसान जगह पर चल गइलन। 33बहुत लोग उनका के
जात देखलन अउर पहिचान लिहलन कि उ के रहलन। एह
से उ लोग सब नगर से धरती के रास्ता से चल दिहलन
अउर उनका से पहिलेही ओइजा जा पहुचँलन। 34जब यीशु
नाव से बाहर निकललन तऽ उ एगो भारी भीड़ देखलन। उ,
ओहन लोग खातिर बड़ा दुखी भइलन। काहें कि उ लोग बिना
चरवाहा के भेड़ के जइसन रहलन। एह से उ ओह लोग के ढ़ेर
बात सिखावे लगलन।

35तब तक ढ़ेर साँझ हो चुकल रहल। एह से उनकर
चेला लोग उनकरा लगे आइल लोग, अउर बोलल लोग,
"ई एगो सुनसान जगह बा अउर साझँ भी बहुत हो चुकल
बीया। 36लोगन के अगल बगल के गाँव अउर बस्ती में जाये
दऽ, जवना से कि उ लोग अपना खाए खातिर कुछ खरीद
सकसु।"

37बाकी उ जवाब दिहलन, "ओहनी के तू ओहनी लोग
के खाये के दऽ।"

तब उ लोग, उनका से कहल, "का हमनी के जाईं जा
अउर दू सौ दीनार के रोटी खरीद के ओहनी लोग के खाये
के दे दीहीं जा?"

38उ ओहनी से कहलन, "जा अउर देखऽ, तोहनी लोग के
पास केतना रोटी बाड़ी सऽ?"

मालूम कर के उ लोग कहल, "हमनी के पास पाँच गो
रोटी अउर दू गो मछली बाड़ी सऽ।" 39फेरु उ आज्ञा
दिहलन, "हरियर घास पर सब के पाँत में बइठा दऽ।"
40तब उ सौ-सौ अउरी पचास-पचास के पाँत में बइठ
गइलन लोग।

41अउर उ, ओह पाँच रोटी अउर दू मछली उठा के स्वर्ग के
ओर देखत धन्यवाद दिहलन अउर रोटियन के तूर के लोगन
के परोसे खातिर, अपना चेलन के दिहलन। अउर उ, ओह
दूगो मछलियन के भी उ सब लोगन में बाँट दिहलन।

42सब लोग खाइल अउर अघा गइल। 43अउर फेरू उ
लोग बाचल रोटी अउर मछली से भर के, बारह गो टोकरी
उठवलन। 44जवन लोग रोटी खइले रहलन, ओह में से
खाली मरदे लोग के संख्या पाँच हजार रहल।

यीशु के पानी पर चलल

(मत्ती 14:22-23; यूहन्ना 6:16-21)

45फेरु उ अपना चेलन के तुरंत नाव पर चढ़वलन जवना से
कि उ जब भीड़ के विदा करसु, उ लोग पहिलहीं परले पार
बैतसैदा चल जाउ। 46ओहन लोग के विदा कर के, प्रार्थना
करे खातिर उ पहाड़ी पर चल गइलन।

47अउर जब साँझ भइल, तब नाव झील के बीचो-बीच
रहे अउर उ अकेले धरती पर रहलन। 48उ देखलन कि
उनका नाव खेवल भारी पड़त रहल। काहें कि हवा उनका
उलटा रहले। लगभग रात के चउथा पहर में, उ झील पर
चलत ओहन लोग के लगे अइलन। उ ओहन लोग के पास
से निकलहीं वाला रहलन। 49उ लोग उनका के झील पर
चलत देखलन अउर सोचलन कि उ कवनो भूत हवन। अउर
उ लोग चिचिया उठलन। 50काहेंकि सब उनका के देखले
रहल अउर उ लोग डर गइल रहलन। तुरंत उ ओहनी के
संबोधित करत कहलन, "हिम्मत राखऽ हम हईं। डेरा लोग
मत!" 51फेरु उ, ओही लोग के साथ नाव पर चढ़ गइलन
अउर हवा रूक गइल। एह बात से उ लोग के अचरज भइल।
52उ रोटी वाला अचरज से भरल काम के बारे में समझ ना
पवले रहलन। ओहनी लोग के बुद्धि काम ना करत रहे।

यीशु अनेक रोगी के चंगा कइलन

(मत्ती 14:34-36)

53झील पार करके उ लोग गन्नेसरत पहुँचलन। उ लोग
नाव बाँध दिहलन। 54जब उ लोग नाव से उतर के बाहर
अइलन, तऽ लोग यीशु के पहिचान लिहलन। 55फेरु उ लोग
रोगी सब के खटिया पर लाद के चारो तरफ जहँवा कहीं भी,
उ लोग सुनलन कि उ बाड़न, तऽ उ लोग रोगियन के लेके
दउरत फिरलन। 56उ गाँव में, नगर में, बस्ती में, जहँवा भी
जासु, लोग अपना रोगियन के बाजार में राखि देत रहलन
अउर उनका से गुहार लगावत रहलन कि, उ अपना कपड़ा के
बस कवनो एगो कोना भी, रोगी के छू लेबे देसु। अउर जे भी
उनका के छू पावल, सब ठीक हो गइल लोग।

मनुष्य के नियम से परमेश्वर के नियम बड़हन होखेला

(मत्ती 15:1-20)

7 1तब फरीसी अउर कुछ धरम के जानकार जे कि
यरूशलेम से आइल रहलन, यीशु के अगल बगल
जुटलन। 2उ लोग देखलन कि उनकर कुछ चेला बिना हाथ
धोवले भोजन कर रहल बाड़न। 3काहें कि अपना पुरखन
के रिवाज पर चलत फरीसी अउर दोसर यहूदी जब तक
सावधनी के साथ पूरा तरह आपन हाथ ना धो लेत रहलन,
भोजन ना करत रहलन। 4अइसही बाजार से आइल खाना

के उ लोग बिना धोवले ना खात रहलन। अइसहीं अउरो बहुत प्रथा बाड़ी सन, जवना सब के उ पालन करेलन। जइसे कटोरा, कलस, ताँबा के बरतन अउर चौकी के माँजल, धोवल बगैरह।

5एही से फरीसी अउर धरम के जानकार लोग, यीशु से पूछलन, "तहार चेला लोग, पुरखन के परंपरा के पालन काहें ना करसु? बल्कि अपना भोजन, बिना हाथ धोवले, खा लेबेलन।"

6यीशु ओहन लोग से कहलन, "यशायाह तहरे जइसन कपटी लोगन के बारे में ठीके भविष्यबानी कइले रहलन। जइसन कि लिखल बा:

> 'इ लोग हमार आदर बस होठ से करेलन, बाकी
> इनकर मन, हमरा से हमेशा दूर रहेला,
> 7 हमरा खातिर इनकर उपासना बेकार बा, काहेंकि
> उनकर शिक्षा खाली लोगन के बनावल नियम हऽ।'
> *यशायाह 29:13*

8तू परमेश्वर के हूकुम उठा के एक ओर राखि दिहलऽ अउर तू मनुष्य के परम्परा के मदद ले रहल बाड़ऽ।"

9उ ओहनी लोग से कहलन, "तहन लोग परमेश्वर के हूकुम के टाले में बहुत होशियार हो गइल बाड़ऽ लोग जवना से तू आपन प्रथा के स्थापना कर सकऽ! 10उदाहरण खातिर मूसा कहलन, 'आपन माई-बाप के आदर करऽ' अउर 'जे केहू बाप अउर महतारी के खराब कहे, ओकरा के जरूर मार दिहल जाउ।' 11बाकी तू जे कहत बाड़ऽ कि अगर कवनो आदमी, आपन माई-बाप से कहत बा कि 'हमार जवन कवनो चीज से तहरा फायदा पहुँच सकत रहे, हम परमेश्वर के नेवछावर कर दिहले बानी।' 12तऽ तू ओकरा माई-बाप खातिर कुछउ कइल, खत्म कर देबे के आदेश देवेलऽ। 13एह तरह से तू आपन बनावल परंपरा से परमेश्वर के वचन के टाल देवेलऽ। अइसने अउरी ढ़ेर बात तहनी लोग करेलऽ।"

14यीशु भीड़ के फेरु अपना लगे बोलवलन अउर कहलन, "हर केहू हमार बात के सुने अउर समुझे। 15अइसन कवनो चीज नइखे, जे बाहर से, आदमी के भीतर जाके ओकरा के खराब कर सके, बल्कि जवन चीज आदमी के भीतर से निकलेला, ओही ओकरा के खराब कर सकत बाड़ी सऽ।" 16अगर केहू के सुने के कान होखे तऽ सुन ले।

17फेरु जब भीड़ के छोड़ के उ घर के भीतर गइलन तब उनकर चेला, उनका से एह उदाहरण के बारे में पूछलन सऽ। 18तब उ, ओहन लोग से कहलन, "का तहन लोग कुछउ ना समझलऽ? का तहन लोग ई नइखऽ देखत कि कवनो चीज, जे कवनो आदमी में बाहर से भीतर जात बीया तऽ, उ ओकरा के खराब नइखे कर सकत। 19काहेंकि उ ओकरा हृदय में ना, पेट में जात बीया अउर फेरु पैखाना के राह से होके बाहर निकल जात बीया।" (अइसन कह के उ खाये के सब चीज के शुद्ध कहलन।)

20फेरु उ कहलन, "आदमी के भीतर से जवन निकलेला उहे ओकरा के, अशुद्ध बनावेला 21काहेंकि आदमी के हृदय के भीतर से ही, खराब विचार अउर गलत काम, चोरी, हत्या, 22व्यभिचार, लालच, शैतानी, छल-कपट, बदमाशी, जलन, चुगलखोरी, घमंड अउर बेवकूफी बाहर आवेला। 23एह सब खराब बात भीतर से आवेलीसऽ अउर आदमी के , अशुद्ध बना देबेलीसऽ।"

गैर यहूदी महिला के मदद

(मत्ती 15:21-28)

24फेरु यीशु उ जगह छोड़ दिहलन अउर सूर के आस-पास के जगह खातिर चल दिहलन। ओइजा उ एगो घर में गइलन। उ ना चाहत रहलन कि केहू के, उनका अइला के पता चल पावे। बाकी उ आपन हाजिरी के छिपा ना पवलन। 25असल में एगो औरत, जेकरा लड़की में दुष्ट आत्मा के बास रहल, यीशु के बारे में सुनके तुरंत उनका पास आइल अउर उनका गोड़ पर गिर पड़ल। 26ई औरत यूनानी रहली अउर सीरिया के फिनीकी में पइदा भइल रहे। उ, आपन बेटी में से दुष्ट आत्मा के निकाले खातिर यीशु से प्रार्थना कइलस।

27यीशु ओकरा से कहलन, "पहिले बच्चा सब के संतुष्ट हो लेबे दऽ काहेंकि बच्चा सब के रोटी लेके, ओकरा के कूकूरन के आगे फेंक दिहल ठीक नइखे।"

28औरत उनका से जवाब में कहलस, "प्रभु कूकूर भी तऽ, टेबुल के नीचे, बच्चा सब के खाये के समय, गिरल छोटा मोटा टुकड़ा के खा लेवेले सऽ।"

29फेरु यीशु ओकरा से कहलन, "एह जवाब के चलते, तू अब चैन से अपना घरे जा सकत बाड़ू। दुष्ट आत्मा तहरा बेटी के छोड़ के बाहर जा चुकल बीया।"

30एह से उ घर चल दिहलस अउर आपन बेटी के खाट पर सूतल पवलस। तब तक दुष्ट आत्मा ओकरा में से निकल चुकल रहल।

बहिरा गूंगा सुने-बोले लागल

31फेरु उ सूर के इलाका से लवट अइलन अउर दिकपुलिस माने दस-नगर के रास्ते सिदोन होत, झील गलील पहुँचलन। 32ओइजा कुछ लोग यीशु के लगे एगो आदमी के ले अइलन जे कि बहिर रहे अउर ठीक से बोल भी ना पावत रहल। लोगन सब यीशु से प्रार्थना कइलन कि उ, ओकरा पर हाथ रख देसु।

33यीशु ओकरा के भीड़ से दूर एक ओर ले गइलन। यीशु आपन अंगुली ओकरा कान में डललन अउर फिर उ

थूकलन अउर ओह आदमी के जीभ छुअलन। 34फेरु स्वर्ग के ओर उपर देखके, लंबा साँस लेत, ओकरा से कहलन, "इप्फतह।" (मतलब "खुल जा!") 35अउर ओकर कान खुल गइल, अउर ओकर जीभ के गिरह भी खुल गइल, अउर उ साफ साफ बोले लागल।

36फेरु यीशु ओहन लोग के आदेश दिहलन कि उ लोग केहू के कुछउ ना बताई। बाकी उ, लोगन के जेतना रोकल चहलन, उ लोग, ओह बात के ओतने बेसी फइलवलन। 37लोग अचरज से भरके कहे लगलन, "यीशु जे करेलन, नीमन करेलन। इहाँ तक कि उ बहिरन के सुने के शक्ति अउर गूंगन के आवाज देबेलन।"

चार हजार के भोजन

(मत्ती 15:32-39)

8 1ओही समय में, एगो दोसरा मौका पर एगो भारी भीड़ जुटल। ओहमें के लोगन के पास खाये खातिर कुछ ना रहे। यीशु आपन चेलन के पास में बोलवलन, अउर कहलन, 2"हमरा एह लोगन पर दया आ रहल बा, काहेंकि ई लोगन के हमरा संगे तीन दिन हो गइल बा अउर इनका पास खाये के कुछउ नइखे। 3अउर अगर हम एहन लोग के भूखे घरे भेज देत बानी तऽ ई लोग राहे में खत्म हो जाई। कुछ लोग तऽ बहुत दूर से आइल बाड़न।"

4उनकर चेला लोग जवाब दिहल, "एह जंगल में ई लोग के खिआवे खातिर केहू के ढ़ेर भोजन कहाँ से मिल सकत बा?"

5फेरु यीशु उ लोग से पूछलन, "तहन लोग के पासे केतना रोटी बाऽ?"

उ लोग जवाब दिहलन, "सात गो।"

6फेरु उ, भीड़ के नीचे धरती पर बइठ जाये के आदेश दिहलन। अउर उ सातो रोटियन के ले लिहलन, धन्यवाद कइलन अउर ओ सब के तोड़ के, अपना चेलन के बाँटे खातिर दिहलन। अउर उ लोग ओकरा के भीड़ के लोगन में बाँट दिहलन। 7ओहनी लोग के पास कुछ छोट मछली भी रहलीसऽ, उ धन्यवाद करके, ओकरो के बाँट देबे के कहलन।

8लोग भर पेट भोजन कइलन अउर फेरु उ लोग बचल टुकड़ा के जुटा के सात गो टोकरी के भरलन। 9ओइजा लगभग चार हजार आदमी रहल होइहें। फेरु यीशु ओहन लोग के विदा कइलन। 10अउर उ तुरंत अपना चेलन के संगे नाव में बइठ के दलमनूता प्रदेश में चल गइलन।

फरीसियन के इच्छा: यीशु कुछ गलत करसु

(मत्ती 16:1-4; लूका 11:16, 29)

11फेरु फरीसी लोग आइल अउर उनका से सवाल करे लगलन, उ लोग उनका से कवनो स्वर्ग के अचरज के चिन्ह परगट करे खातिर कहलन। ई बात उ लोग, इनकर जाँच करे खातिर कहले रहलन। 12तब अपना मन में एगो भारी आह भरत, यीशु कहलन, "एह पीढ़ी के लोग कवनो अचरज के चिन्ह काहें चाहत बाड़न? इनकरा के कवनो चिन्ह ना दिहल जाई।" 13फेरु उ उनकरा लोग के छोड़ के लवट के नाव में आ गइलन अउर झील के परले पार चल गइलन।

यहूदी अगुअन के खिलाफ यीशु के चेतावनी

(मत्ती 16:5-12)

14यीशु के चेला कुछ खाये खातिर ले आवे के भूल गइल रहलन। एगो रोटी के अलावा उनकरा लगे अउर कुछ ना रहे। 15यीशु ओहनी के चेतावनी देत कहलन, "सावधान! फरीसियन अउर हेरोदेस के खमीर से बच के रहऽ।"

16"हमनी के लगे रोटी नइखे," एह पर, उ लोग आपस में सोच विचार करे लगलन।

17उ लोग का कह रहल बाड़न, ई जान के यीशु ओहनी लोग से कहलन, "रोटी पास में ना होखे के बारे में, तू काहें के सोच विचार करत बाड़ऽ? तू लोग का अभी भी नइखऽ समुझत बुझत? का तहन लोग के बुद्धि अतना बेकार हो गइल बीया? 18तहन लोग के आँख बाड़ीसऽ, का तू लोग देख नइखऽ सकत? तहन लोग के कान बा, का तहन लोग सुन नइखऽ सकत? का तहन लोग के इयाद नइखे? 19जब हम पाँच हजार लोगन खातिर पाँच गो रोटी के टुकड़ा कइले रहनी, अउर तहन लोग केतना टोकरी में बटोरले रहलऽ?"

"बारह गो", उ लोग कहलन।

20"अउर जब हम चार हजार खातिर सात गो रोटी के टुकड़ा कइले रहनी, तब तहन लोग केतना टोकरी भर के उठवले रहलऽ?"

"सात गो", उ लोग कहलन।

21फेरु यीशु कहलन, "का तहन लोग अभिओ ना समुझलऽ लोग?"

आन्हर के आँख

22फेरु उ लोग बैतसैदा चल अइलन। ओइजा कुछ लोग यीशु के पास एगो अंधा के ले अइलन अउर उनका से प्रार्थना कइलन कि, उ, ओकरा के छू देसु। 23उ अंधा आदमी के हाथ पकड़लन, अउर ओकरा के गाँव के बाहर ले गइलन। उ ओकरा आँख पर थूक दिहलन, आपन हाथ ओह पर रखलन अउर ओकरा से पूछलन, "तहरा कुछ दिखाई देत बा?"

24उपर देखत उ कहलस, "हमरा लोग लउकत बाड़न। उ लोग,अगल बगल चलत पेड़ के जइसन लागत बाड़न।"

25तब यीशु ओकरा आँख पर जइसही फेरु आपन हाथ रखलन , उ आपन आँख पूरा खोल दिहलस। ओकरा अंजोर

मिल गइल रहल। उ सब कुछ साफ-साफ देखत रहल।
26फेरु यीशु ओकरा के घर भेज दिहलन अउर कहलन, "उ
गाँव में ना जाउ।"

पतरस के कथन: यीशु मसीह हवन

(मत्ती 16:13-20; लूका 9:18-21)

27अउर फेरु यीशु अउर उनकर चेला कैसरिया फिलिप्पी
के अगल बगल के गाँव के ओर चल दिहलन लोग। राह में
यीशु अपना चेलन से पूछलन, "लोग का कहत बाड़न कि
हम के हईं?"

28उ लोग जवाब दिहलन, "बपतिस्मा देबे वाला यूहन्ना,
पर कुछ लोग एलिय्याह, अउर दोसर, तहरा के भविष्यवक्ता
में से कवनो एगो, कहेलन।"

29फेरु यीशु उनकरा लोग से पूछलन, "अउर तू लोग का
कहत बाड़ऽ कि हम के हई।"

पतरस उनका के जवाब दिहलन, "तू मसीह हऽ।"

30फेरु उ, उनका के चेतावनी दिहलन कि उनका बारे में
ई बात केहू से मत कहिहऽ।

यीशु के आपन मरे के भविष्यवाणी

(मत्ती 16:21-28; लूका 9:22-27)

31अउर उ, उनकरा लोग के समुझावे शुरू कइलन, "मनुष्य
के पुत्र के ढ़ेर कष्ट उठावे के परी अउर बुजुर्ग, प्रमुख याजक
अउरी धरम के जानकार लोगन के जरिए उ नकारल जइहें
अउर फेरु तीसरा दिने उ मरल में से जी उठिहें।" 32उ, ओहन
लोग के साफ साफ बता दिहलन।

फेरु पतरस, उनका के एक ओर ले गइल अउरी डाँटे
लागल। 33बाकी यीशु, पीछे घूम के अपना चेलन पर नजर
डललन अउर पतरस के फटकारत बोललन, "शैतान,
हमरा से दूर चल जो! तू परमेश्वर के बात से मतलब नईखे
राखत बाड़ऽ, बल्कि आदमी के बात से मतलब राखत
बाड़ऽ।"

34फेरु अपना चेलन के साथे, भीड़ के उ अपना पास
बोलवलन अउर कहलन, "अगर केहू हमरा पीछे आइल
चाहत बा, तऽ उ आपन सब कुछ त्याग करे अउर आपन
क्रूस उठा के हमरा पीछे चले। 35काहेंकि जे केहू भी अपना
जिंदगी के बचावल चाहत बा, ओकरा, एकरा के भुलाये के
परी। अउर जे केहू हमरा खातिर अउर सुसमाचार खातिर
आपन जिनिगी दीही ओकर जिनिगी बच जाई। 36अगर
कवनो आदमी आपन आत्मा के हार के सारा संसार के पा भी
लेत बा, तऽ ओकर का फायदा? 37काहेंकि कवनो आदमी,
कवनो चीज के बदले में जिनिगी नइखे पा सकत। 38अगर
केहू एह व्यभिचारी अउर पापी पीढ़ी में, हमरा नाम अउर
वचन के चलते लजात बा, तऽ मनुष्य के बेटा भी, जब पवित्र
स्वर्ग दूतन के साथ आपन परम पिता के महिमा के संगे आई,
तऽ उहो उनकरा खातिर लजाई।"

9 1अउर फेरु उ, उनका से कहलन, "हम तहन लोग से
साँच कहत बानी, एइजा जे लोग खड़ा बाड़न, ओकरा
में से कुछ अइसन बाड़न, जे परमेश्वर के राज के शक्ति के
साथ आइल देखे के पहिले मउअत के अनुभव ना करिहन।"

मूसा अउर एलिय्याह के साथ यीशु के दरसन दिहल

(मत्ती 17:1-13; लूका 9:28-36)

2छव दिन बाद यीशु खाली पतरस, याकूब अउर यूहन्ना
के साथ लेके, एगो उँचा पहाड़ पर गइलन। ओइजा ओहनी
लोग के सामने उ आपन रूप बदल दिहलन। 3उनकर
पोशाक चमचमात रहल। एकदम उज्जर, सफेद! धरती
पर कवनो धोबी जेतना उज्जर ना धो सके, ओकरो से बेसी
उज्जर, सफेद। 4एलिय्याह अउर मूसा भी उनका साथ परगट
भइलन। उ लोग यीशु से बात करत रहलन।

5तब पतरस बोल पड़लन अउर उ यीशु से कहलन, "हे
रब्बी, ई बड़ा नीमन भइल कि हमनी के एइजा बानी जा।
हमनी के तीन गो मंडप बनावे दऽ- एगो रउआ खातिर, एगो
मूसा खातिर अउर एगो एलिय्याह खातिर।" 6पतरस ई एह
खातिर कहलन कि उ समझ ना पावत रहलन कि उ का
कहसु। उ लोग बहुत डेरा गइल रहलन।

7तबहीं एगो बदरी आइल अउर ओहनी लोग पर छा
गइल। बदरी में से ई कहत एगो आवाज निकलल, "ई हमार
दुलारा बेटा हऽ, एकर सुनऽ!"

8अउर ओही समय जब उ लोग चारो ओर देखल, तऽ यीशु
के छोड़ के अपना साथ अउर केहू के ना पवलन।

9जब उ लोग पहाड़ से नीचे उतरत रहलन तऽ यीशु
ओहनी लोग के आज्ञा दिहलन कि उ लोग जवन कुछ देखले
बा, ओकरा के उ लोग तब तक केहू के ना बतावे जब तक
मनुष्य के बेटा, मरल में से ना जी उठे।

10एहसे उ लोग एह बात के आपना भीतर ही रखलन।
बाकी उ लोग सोच विचार करत रहलन कि "मर के जी
उठे" के का मतलब बा? 11फेरु उ लोग यीशु से पूछलन,
"धरम के जानकार काहें कहेलन कि एल्लियाह के पहिले
आइल तय बा?"

12यीशु ओहनी लोग से कहलन, "हँऽ सब बात के ठीक से
व्यवस्था करे एलिय्याह जरूर पहिले अइहन। बाकी मनुष्य के
बेटा के बारे में ई काहें लिखल गइल बा कि उनका ढ़ेर कष्ट
झेले के परी अउर उनका के नफरत के साथ नकारल जाई?
13हम तहरा से कहत बानी, एलिय्याह आ चुकल बाड़न,
अउर उनका साथे उ लोग जवन कुछ चहलन, कइलन।
ठीक ओइसहीं जइसन कि उनका बारे में लिखल गइल बा।"

बीमार लइका के ठीक कइल

(मत्ती 17:14-20; लूका 9:37-43)

14जब उ लोग दोसर चेलन के पास अइलन, तऽ उ लोग, ओहनी के अगल बगल, एगो भारी भीड़ देखलन। उ लोग देखलन कि ओहनी लोग के साथ धरम के जानकार लोग तरक कर रहल बाड़न। 15अउर जइसही सब लोग यीशु के देखलन, उ लोग चिहा गइलन। अउर स्वागत करे खातिर उनका ओर दउरलन।

16फेरु उ ओहनी लोग से पूछलन, "तू लोग, ओहनी से कवना बात पर तरक कर रहल बाड़ऽ?"

17भीड़ में से एगो आदमी जवाब दिहलस, "हे गुरु, हम अपना बेटा के, तहरा पास ले आइल रहनी। ओकरा पर एगो दुष्ट आत्मा सवार बीया, जवन कि ओकरा के बोले नइखे देत। 18जब कबो उ दुष्ट आत्मा एकरा पर आवत बीया, एकरा के नीचे पटक देत बीया अउर एकरा मुँह से झाग निकले लगत बा अउर ई दाँत पीसे लागत बा, अउर अकड़ जात बा। हम तहरा चेलन से एह दुष्ट आत्मा के बाहर निकाले के प्रार्थना कइनी बाकी उ लोग ओकरा के ना निकाल सकलन।"

19फेरु यीशु जवाब दिहलन अउर कहलन, "ए विश्वास ना करे वाला लोग, हम तहनी लोग के साथ कब तक रहब? अउर कब तक तहनी लोग के बर्दाश्त करब? लइका के हमरा पास ले आवऽ!"

20तब उ लोग लइका के, उनका लगे ले अइलन अउर जब दुष्ट आत्मा यीशु के देखलस तब उ तुरंत लइका के अईंठ दिहलस। उ धरती पर गिर परल अउर चक्कर खा गइल। ओकरा मुँह से झाग निकलत रहे।

21तब यीशु ओकर पिता से पूछलन, "ई केतना दिन से अइसन बा?"

पिता जवाब दिहलन, "ई बचपने से अइसही बा। 22दुष्ट आत्मा एकरा के मार देबे खातिर कबो आग में गिरा देबेले तऽ कबो पानी में। का तू कुछ कर सकत बाड़ऽ? हमनी पर दया करऽ, हमनी के मदद करऽ।"

23यीशु उनका से कहलन, "तू कहलऽ, 'का तू कुछ कर सकत बाड़ऽ?' विश्वासी आदमी खातिर सब कुछ संभव बा।"

24तुरंत बच्चा के पिता चिल्ला के कहलस, "हम विश्वास करत बानी हमार अविश्वास के हटावऽ!"

25यीशु जब देखलन कि भीड़ उनका पर चढ़ल आवत बीया, उ दुष्ट आत्मा के ललकरलन अउर ओकरा से कहलन, "अरे बच्चा के बहिरा, गूंगा कर देबेवाली दुष्ट आत्मा, हम तोहरा के आज्ञा देत बानी कि एकरा में से निकल आउ अउर फेरु एकरा में दुबारा मत ढुकिहे!"

26तब दुष्ट आत्मा चिचिअइलस। बच्चा पर खतरनाक दौरा परल। अउर उ बाहर निकल गइल। बच्चा मरल जइसन लउके लागल, बहुत लोग कहलन, "उ मर गइल!" 27फेरु यीशु लइका के हाथ पकड़ के उठवलन अउर खड़ा कइलन। उ खड़ा हो गइल।

28एकरा बाद यीशु अपना घर चल गइलन। अकेला में, उनकर चेला सब उनका से पूछलन, "हमनी के एह दुष्ट आत्मा के बाहर काहे ना निकाल सकनी जा?"

29एह पर यीशु उनका से कहलन, "अइसन दुष्ट आत्मा प्रार्थना अउर उपवास के बिना बाहर ना निकालल जा सकत रहल।"

आपन मौत के बारे में यीशु के विचार

(मत्ती 17:22-23; लूका 9:43-45)

30फेरु उ, ओह जगह के छोड़ दिहलन। अउर जब उ गलील होत जात रहलन, तऽ उ ना चाहत रहलन कि केहू के एकर पता चले कि उ कहाँ बाड़न। 31काहें कि उ आपन चेलन के शिक्षा देत रहलन। उ, ओहन लोग से कहलन, "मनुष्य के बेटा मनुष्य के ही हाथ से, धोखा से पकड़वावल जाई अउर उ लोग ओकरा के मार डलिहे। मारल गइला के तीन दिन बाद उ जी उठी।" 32बाकी उ सब, एह बात के समझ ना सकलन अउर यीशु से एकरा के पूछे में डेरात रहलन।।

सबसे बड़ के बा

(मत्ती 18:1-5; लूका 9:46-48)

33फेरु उ लोग कफरनहूम अइलन। यीशु जब घर में रहलन, उ, ओहनी लोग से पूछलन, "राह में तहनी लोग कवन बात पर सोच विचार करत रहलऽ?" 34बाकी उ लोग चुप रहल। काहें कि उ लोग राह चलत आपस में विचार करत रहलन कि सबसे बड़ के बा।

35एहसे उ बइठ गइलन। उ बारहो के अपना पास बोलवलन अउर ओहनी से कहलन, "अगर केहू सबसे बड़ा बनल चाहत बा तऽ ओकरा जरूर से सबसे छोट बनके, सबके सेवक बने के परी।"

36अउर, फेरु एगो छोटा बच्चा के लेके, उ, ओहनी के सामने खड़ा कइलन। बच्चा के आपन गोदी में लेके उ, ओहनी से बोललन, 37"हमरा नाम में केहू, एहनी में से कवनो एगो बच्चा के अपनावत बा तऽ उ हमरा के अपनावत बा; अउर जे केहू हमरा के अपनावत बा, उ ना खाली हमरा के अपना रहल बा, साथ ही ओकरा के भी अपना रहल बा, जे हमरा के भेजले बा।"

जे हमार विरोधी नइखे, हमार बा

(लूका 9:49-50)

38यूहन्ना यीशु से कहलन, "हे गुरु , हमनी के केहू के तहरा नाम से, दुष्ट आत्मा के बाहर निकालत देखले बानी जा।

हमनी के ओकरा के रोकल चहनी जा काहेंकि, उ हमनी में से केहू ना रहल।"

39बाकी यीशु कहलन, "ओकरा के रोकऽ मत। काहेंकि जे केहू हमरा नाम से, अचरज करम करी उ बाद में हमरा खातिर खराब बात ना कह पाई। 40उ जे हमरा विरोध में नइखे, हमरा पक्ष में बा। 41जे केहू एह खातिर तहरा के एक कटोरा पानी पियावत बा कि तू मसीह के बाड़ऽ, हम साँच कहत बानी कि ओकरा एकर फल बिना मिलल ना रही।

पाप के नतीजा के बारे में यीशु के चेतावनी

(मत्ती 18:6-9; लूका 17:1-2)

42"अउर जे केहू, एह छोट, अनजान बच्चा सब में से केहू के, जे हमरा मे विश्वास राखत बा, पाप के राह पर ले जात बा, तऽ ओकरा खातिर बढ़िया ई बा कि ओकर गरदन में चक्की के पाट बाँध के, ओकरा के समुंदर में फेंक दिहल जाउ।

43अगर तोहार हाथ तहरा से पाप करवावे तऽ ओकरा के काट डालऽ, बिना हाथ के, जीवन में घुसल, अच्छा बा, बजाय एकर कि दू हाथ वाला होके नरक में डालल गइल जाउ, जहाँ के आग कभी ना बुझे। 44जहाँ के कीड़ा कभी मरे ना अउर जहाँ के आग कभी बुझे ना। 45अगर तोहार गोड़, तहरा के पाप के राह पर ले जाउ तऽ ओकरा के काट दऽ। लँगड़ा हो के जीवन में घुसल कहिं नीमन बा, बजाय एकर कि दूइगो गोड़ वाला होके, नरक में डालल गइल जाउ। 46जहाँ के कीड़ा कभी मरे ना, अउर जहाँ के आग कभी बुझेना। 47अगर तोहर आँख तोहरा से पाप करवावे तऽ ओकरा के निकाल दऽ। काना होके परमेश्वर के राज में घुसल दू आँख वाला हो के नरक में डालल गइला से बढ़िया बा,। 48जहाँ के कीड़ा कभी मरे ना, अउर जहाँ के आग कभी बुझे ना।

49"हर आदमी के आग पर नमकीन बनावल जाई अउर हरेक बलि के नमक से नमकीन कइल जाई।

50"नमक नीमन बा। बाकी नमक अगर आपन नूनाई छोड़ देबे तऽ तू ओकरा के दुबारा नमकीन कइसे बना सकत बाड़? अपना में नमक राखऽ अउर एक दोसरा के संगे शांति से रहऽ लोग।"

तलाक के बारे में यीशु के शिक्षा

(मत्ती 19:1-12)

10 1फेरु यीशु उ जगह छोड़ दिहलन अउरी यहूदिया के इलाका में यर्दन नदी के पार आ गइलन। भीड़ के भीड़ फेरु उनका लगे आवे लागल। अउर आपन नियम के मोताबिक उ उपदेश देबे लगलन।

2फेरु कुछ फरीसी उनका पास अइलन, अउर उनका से पूछलन, "का कवनो मरद खातिर ई सही बा कि उ आपन मेहरारू के तलाक देबे?" उ लोग उनकर जाँच करे खातिर उनका से ई पूछले रहलन।

3उनका के उ जवाब दिहलन, "मूसा तहरा के कवन नियम दिहले बाड़न?"

4उ लोग बतवलन, "मूसा कवनो मरद के, त्याग पत्र लिख के, मेहरारू के छोड़ देबे के आदेश दिहले रहलन।"

5यीशु उनका से कहलन, "मूसा तोहरा खातिर ई आज्ञा एहसे दिहले रहलन कि तोहरा कुछउ समझ में नइखे आ सकत। 6दुनिया के शुरूआत से ही, 'परमेश्वर, उनका के मरद अउर औरत के रूप में रचले बाड़न।' 7'एही से एगो मरद आपन माई बाप के छोड़ के आपन मेहरारू के साथ रही। 8अउर उ दूनो एक शरीर हो जइहन। एह से उ लोग दू गो ना रहसु, एक देह हो जालन। 9एह से जेकरा के परमेश्वर मिला दिहले बाड़न, ओकरा आदमी के अलग ना करे के चाहीं।"

10फेरु जब उ घरे लवटलन, तऽ चेला लोग यीशु से एहबारे में पूछलन। 11उ ओहनी लोगन से कहलन, "जे केहू आपन मेहरारू के तलाक देके दोसर औरत से बिआह करेला, उ ओह मेहरारू के प्रति पाप करेला। 12अउर अगर उ मेहरारू अपना मरद के छोड़ के दोसरा मरद से बिआह करत बीया तऽ उ पाप करत बिया।"

बचवन सब के यीशु के आशीष

(मत्ती 19:13-15; लूका 18:15-17)

13फेरु लोग यीशु के पास, नन्हा-मुन्ना बचवन के ले आवे लागल, जवना से कि उ ओहनी के छू के आशीर्वाद देसु। बाकी उनकर चेला ओहन लोग के डाँट दिहलेसन। 14जब यीशु ई देखलन तऽ उनका बहुत गुस्सा आइल। फेरु उ, ओहनी से कहलन, "नन्हा-मुन्ना बचवन के हमरा पासे आवे दऽ लोग। ओहनी के रोकऽ मत काहेंकि परमेश्वर के राज अइसने सब के हऽ। 15हम तहन लोग से साँच कहत बानी, जे केहू परमेश्वर के राज के एगो छोट बच्चा के जइसन ना अपना लीही, ओकरा में कभी घुस ना पाई।" 16फेरु ओह बचवन के यीशु, गोदी में उठा लिहलन अउर उनका माथा पर हाथ रखके आशीर्वाद दिहलन।

यीशु से एगो धनी आदमी के सवाल

(मत्ती 19:16-30; लूका 18:18-30)

17यीशु जइसही आपन जतरा पर निकललन, एगो आदमी उनका ओर दउड़ल अउर उनका सामने झुक के पूछलस, "बढ़िया गुरु, अनन्त जिनिगी के अधिकार पावे खातिर हमरा का करे के चाहीं?"

18यीशु उनका के जवाब दिहलन, "तू हमरा के बढ़िया काहें कहत बाड़ऽ? परमेश्वर के अलावा अउर केहू बढ़िया नइखे। 19तू व्यवस्था के आज्ञा के जानत बाड़ऽ: 'हत्या मत करऽ,

व्यविभाचार मत करऽ, चोरी मत करऽ, झूठा गवाही मत दऽ, छल मत करऽ, आपन माई-बाबू के आदर करऽ ...।'"

20उ आदमी यीशु से कहलस, "गुरु, हम लरिकाई से ही एह सब बात पर चलत रहल बानी।"

21यीशु ओकरा पर नजर डललन अउर ओकरा खातिर प्रेम के अनुभव कइलन। फेरु ओकरा से कहलन, "तहरा में एगो कमी बा। जा, जवन कुछ तहरा पास बा, ओकरा के बेच के, गरीबन में बाँट दऽ। स्वर्ग में तहरा के धन के भंडार मिली। फेरु आवऽ, अउर हमरा पीछे चल दऽ।"

22यीशु के अइसन कहला पर उ आदमी बहुत निराश भइल अउर दुखी होके चल गइल काहेंकि उ बहुत धनवान रहल।

23यीशु चारो ओर देख के आपन चेलन से कहलन, "ओह लोग खातिर, जेकरा पास धन बा, परमेश्वर के राज में घुसल कतना कठिन बा!"

24उनका बोली पर उनकर चेला लोग अचरज में पड़ गइलन। बाकी यीशु ओहन लोग से फेरु कहलन, "हमार बच्चा लोग, परमेश्वर के राज में घुसल कतना कठिन बा। 25परमेश्वर के राज में, कवनो धनी के घुसला से, कवनो उँट के, सूई के छेद में से निकल गइल आसान बा!"

26ओहनी लोग के अउर बेसी अचरज भइल। उ लोग आपस में कहे लागल, "तब केकर उद्धार हो सकत बा?"

27यीशु ओहनी लोग के देखत कहलन, "ई आदमी खातिर असंभव बा, बाकी परमेश्वर खातिर ना। काहेंकि परमेश्वर खातिर सब कुछ संभव बा।"

28फेरु पतरस उनका से कहे लगलन, "देखऽ, हमनी के सब कुछ छोड़ के तहरा पीछे चल देले बानी जा।"

29यीशु कहलन, "हम तहरा से साँच कहत बानी, केहू अइसन नइखे, जे हमरा खातिर, अउर सुसमाचार खातिर घर, भाई, बहिन, माई, बाप, बच्चा, खेत, सब कुछ के छोड़ दीही। 30अउर जे एह जुग में, घर, भाई, बहिन, माता, बच्चा अउर खेत के सौगुना बेसी करके ना पइहें- बाकी कष्ट के साथ अउर आवेवाला जुग में अनन्त जीवन। 31अउरी बहुत उ लोग, जे आज सबसे अन्तिम बाड़न, सबसे पहिले हो जइहन, अउर बहुत सा उ लोग जे आज सबसे पहिले बा, सबसे अन्तिम हो जइहन।"

यीशु के जरिए आपन मौत के भविष्यवाणी

(मत्ती 20:17-19; लूका 18:31-34)

32फेरु यरूशलेम जात समय, जब उ लोग रास्ता में रहलन तब यीशु ओहनी लोग से आगे चलत रहलन। उ लोग डेराइल रहल अउर जे लोग उनका पीछे चलत रहल, उ लोग भी डेराइल रहल। फेरु यीशु बारहो चेला के अलग ले गइलन अउर ओहनी लोग के बतावे लगलन कि, उनका साथ का होखेवाला बा। 33"सुनऽ हमनी के यरूशलेम जा रहल बानी जा। मनुष्य के पुत्र के धोखा से पकड़वा के प्रमुख याजक अउर धरम के जानकार लोगन के सँउप दिहल जाई। अउर उ लोग ओकरा के मौत के सजा देके, गैर यहूदीयन के सँउप दिहन। 34जवन कि उनकर हँसी उड़इहन सऽ अउर उनका पर थूकिहन सऽ। उ लोग उनका के कोड़ा मरिहन सऽ अउर फेरु मार दिहन सऽ। अउर फिर तीसरा दिने उ जी उठी।"

याकूब अउर यूहन्ना के यीशु से निहोरा

(मत्ती 20:20-28)

35फेरु जब्दी के बेटा याकूब अउर यूहन्ना यीशु के पास अइलन अउर उनका से कहलन, "गुरु, हमनी के चाहत बानी जा कि, हमनी के जवन कुछ माँगी जा, तू हमनी खातिर उ करऽ।"

36यीशु ओहनी लोग से कहलन, "तहन लोग, हमरा से, अपना खातिर का करवावल चाहत बाड़ऽ?"

37फेरु उ लोग उनका से कहलन, "हमनी के अधिकार दऽ कि तहरा महिमा में हमनी के तहरा साथ बइठीं जा, हमनी में से एगो तहरा दाहिने अउर एगो तहरा बायें।"

38यीशु ओहनी लोग से कहलन, "तू लोग नइखऽ जानत कि तू लोग का मांग रहल बाड़ऽ। जवन कटोरा हम पीये वाला बानी, का तू ओकरा पी सकत बाड़ऽ? चाहे जवन बपतिस्मा हम लेबे वाला बानी, तू लोग ओकरा के ले सकत बाड़ऽ?"

39उ लोग कहल, "हमनी के ओइसन कर सकत बानी जा!"

फेरु यीशु ओहनी लोग से कहलन, "तू लोग उ प्याला पीयबऽ, जवन हम पियेनी? तू लोग ई बपतिस्मा लेबऽ, जवन बपतिस्मा हम लेबे वाला बानी? 40बाकी हमरा दाहिने, बायें बइठे के जगह दिहल हमार अधिकार में नइखे। ई जगह ओही आदमी खातिर बा जेकरा खातिर ई तइयार कइल गइल बा।"

41जब बाकी के दस चेला ई सहुनलन तऽ उ लोग याकूब अउर यूहन्ना पर खिझिआइल लोग। 42फेरु यीशु ओहनी लोग के अपना पास बोलवलन अउर कहलन, "तू लोग जानत बाड़ऽ, जे गैर यहूदियन के शासक मानल जालन, उनकर अउर उनकर खास अगुआ लोगन के उनका पर प्रभाव बा। 43बाकी तहन लोग के साथ अइसन नइखे। तहन लोग में से, जे केहू बड़ा बनल चाहत बा, उ तहनी सब के दास बने। 44अउर जे तहनी लोग में प्रधान बनल चाहत बा, उ सबके सेवक बने 45काहेंकि मनुष्य के पुत्र भी सेवा करावे नइखे आइल, सेवा करे आइल बा। अउर बहुत लोगन के छुटकारा खातिर आपन जिनिगी देबे आइल बा।"

आन्हर के आँख

(मत्ती 20:29-34; लूका 18:35-43)

46फेरु उ लोग यरीहो अइलन अउर जब यीशु आपन चेलन

अउर एगो बड़हन भीड़ के साथ यरीहो के छोड़ के जात रहलन, तऽ बरतिमाई (माने “तिमाई के पुत्र”) नाम के एगो आन्हर भिखारी सड़क के किनारे बइठल रहे। 47जब उ सुनलस कि उ नासरी यीशु हवन, तब उ जोर जोर के आवाज में कहल शुरू कइलस, “दाऊद के बेटा यीशु, हमरा पर दया करऽ।”

48बहुत से लोग डाँट के ओकरा के चुप रहे के कहलन। बाकी उ अउरी जोर के आवाज में पुकारे लागल, “दाऊद के पुत्र, हमरा पर दया करऽ!”

49तब यीशु रूकलन अउर कहलन, “ओकरा के हमरा पास ले आवऽ।”

एह से उ लोग आन्हर आदमी के बोलवलन अउर ओकरा से कहलन, “हिम्मत राखऽ! खड़ा होवऽ! उ तहरा के बोला रहल बाड़न।” 50उ आपन कोट फेंक के कूद परल अउर यीशु के पास आइल।

51फेरु यीशु ओकरा से कहलन, “तू हमरा से अपना खातिर का करवावल चाहत बाड़ऽ?” अंधा, उनका से कहलस, “हे रब्बी, हम फेरु से देखल चाहत बानी।”

52तब यीशु कहलन, “जा, तहार विश्वास से तहार उद्धार भइल।” फेरु उ तुरंत देखे लागल अउर रास्ता में यीशु के पीछे चल दिहलस।

यरूशलेम में विजय प्रवेश

(मत्ती 21:1-11; लूका 19:28-40; यूहन्ना 12:12-19)

11 1फेरु जब उ लोग यरूसलेम के नजदीक जैतून पहाड़ पर बैतफगे अउर बेतनिय्याह पहुँचलन तऽ यीशु अपना चेलन में से दू गो के 2ई कह के सामने के गाँव में भेजलन, “जा ओइजा जइसही तू लोग गाँव में घुसबऽ, एगो गदही के बच्चा बाँधल मिली, जेकरा पर पहिले कबो केहू नइखे चढ़ल। ओकरा के खोल के एइजा ले आवऽ। 3अउर अगर केहू तहरा से पूछे कि ‘तू लोग ई काहें कर रहल बाड़ऽ?’ तऽ तू लोग कहिहऽ, ‘प्रभु के एकर जरूरत बा। फेंरु उ एकरा के तुरंते लवटा दिहन।’ ”

4तब उ लोग ओइजा से चलल अउर उ लोग खुला गली में एगो दुआरी के पास, गदही के बच्चा के बाँधल पवलन। एहसे उ लोग ओकरा के खोल लिहलन। 5कुछ लोग, जे ओइजा खड़ा रहलन, ओहनी लोग से पूछलन, “एह गदही के बच्चा के खोल के तू लोग का कर रहल बाड़ऽ?” 6उ लोग ओहनी लोग के उहे कहलन, जवन कि यीशु बतवले रहलन। एह पर उ लोग, ओहनी के जाए दिहलेसन।

7फेरु उ लोग, ओह गदही के बच्चा के यीशु के लगे ले अइलन। उ ओकरा पर आपन कपड़ा डाल दिहलन। फेरु यीशु ओकरा पर बइठ गइलन। 8बहुते लोग आपन कपड़ा रास्ता में बिछा दिहलन अउर बहुत लोग, खेत से डाली काट के ओइजा बिछा दिहलन। 9उ लोग जे आगे रहलन अउर उहो जे पीछे रहलन, पुकारत रहलन,

‘ “होशन्ना!’ ‘ उ धन्य बा जे प्रभु के नाम पर आ रहल
बा!’ *भजन संहिता 118:25-26*

10 “धन्य बा हमनी के पिता दाऊद के राज, जवन कि
आ रहल बा। होशन्ना स्वर्ग में!”

11फेरु उ यरूशलेम में घुसलन अउर मन्दिर में गइलन। उ चारो ओर के हरेक चीज के देखलन काहें कि साँझ के बहुत देर हो चुकल रहे, उ बारहों चेलवन के साथे बैतनिय्याह चल गइलन।

यीशु कहलन अंजीर के पेड़ मर जाई

(मत्ती 21:18-19)

12अगिला दिन जब उ लोग बैतनिय्याह से निकलत रहलन, उनका बहुत भूख लागल रहल। 13थोड़े दूर पर उनका अंजीर के एगो हरिअर पेड़ लउकल। ई देखे खातिर उ पेड़ के पास पहुँचलन कि उनका ओही पर कुछ मिल जाउ। बाकी जब उ ओइजा पहुँचलन तऽ उनका पत्ता के अलावा कुछ ना मिलल काहेंकि अंजीर के मौसम ना रहे। 14तब उ पेड़ से कहलन, “अब आगे से कबो केहू तोर फल मत खाउ।” उनकर चेलवन ई सुन लेलन।

यीशु के मंदिर गइल

(मत्ती 21:12-17; लूका 19:45-48; यूहन्ना 2:13-22)

15फेरु उ लोग यरूशलेम खातिर चल दिहलन। जब उ लोग मंदिर में घुसलन तऽ यीशु, ओह लोगन के जे मंदिर में लिहल-बेचल करत रहल, बाहर निकाले शुरू कर दिहलन। उ पइसा के लेन देन करेवाला के चउकीयन पलट दिहलन अउर कबूतर बेचे वालन के तख्ता पलट दिहलन। 16अउर उ मंदिर में से केहू के कुछउ ले जाये ना दिहलन। 17फेरु उ शिक्षा देत ओहनी से कहलन, “का शास्त्र में ई नइखे लिखल, ‘हमार घर सब जाति के लोगन खातिर प्रार्थना-घर कहल जाई?’ बाकी तहन लोग ओकरा के ‘चोरन के अड्डा’ बना दिहले बाड़ऽ।”

18जब प्रमुख याजक अउरी धरम के जानकार लोग ई सुनलन तऽ, उ लोग उनका के मारे खातिर कवनो रास्ता ढुढ़े लगलन। काहें कि भीड़ के सब लोग, उनका उपदेश से चकित रहलन। एह से उ लोग, उनका से डेरात रहलन। 19फेरु जब शाम भइल, तब उ लोग नगर से बाहर निकललन।

विश्वास के शक्ति

(मत्ती 21:20-22)

20अगिला दिन सबेरे जब यीशु अपना चेलन के साथ

जात रहलन तऽ ओह अंजीर के पेड़ के जड़ तक सूखाइल देखलन। 21तब पतरस याद करत यीशु से कहलन, "हे रब्बी, देखऽ! जवना अंजीर के पेड़ के तू शाप दिहले रहलऽ, उ सुख गइल बा!"

22यीशु उनका के जवाब दिहलन, "परमेश्वर में विश्वास राखऽ। 23हम तोहरा से साँच कहत बानी: अगर केहू एह पहाड़ से ई कहे, 'तू उखड़ के समुंदर में गिर जा' अउर ओकरा मन में, कवनो तरह के संदेह ना होखे, अउरी विश्वास होखे कि उ जइसन कहले बा, ओइसने हो जाई तऽ ओकरा खातिर ओइसने होई। 24एही से, हम तोहरा के बतावत बानी कि तू प्रार्थना में जवन कुछ मंगबऽ, विश्वास करऽ उ तोहरा मिल गइल बा, उ तोहार हो गइल बा। 25अउर जब कबो तू प्रार्थना करत खड़ा होखेलऽ तऽ अगर तहरा केहू से कवनो शिकायत बा तऽ ओकरा के माफ कर दऽ जवना से कि स्वर्ग में मौजूद तोहार परम पिता तोहार पाप खातिर तोहरा के भी माफ कर देसु।" 26बाकी अगर तू दोसरा के माफ ना करबऽ तऽ स्वर्ग में मौजूद तोहार पिता तहरा पाप के भी माफ ना करिहन।

यीशु के अधिकार पर यहूदी अगुअन के संदेह

(मत्ती 21:23-27; लूका 20:1-8)

27फेरु उ लोग यरूशलेम लवट अइलन। यीशु जब मंदिर में टहलत रहलन तऽ प्रमुख याजक, धरम के जानकार, अउर पुराना यहूदी अगुआ, उनका पास अइलन। 28अउर कहलन, "तू एह काम के कवना अधिकार से करत बाड़ऽ? ई करेके अधिकार तोहरा के, के दिहले बा?"

29यीशु ओहन लोग से कहलन, "हम तहन लोग से एगो सवाल पूछत बानी, अगर हमरा के जवाब दे दऽ तऽ हम तहनी लोग के बता देब कि हम ई काम कवना अधिकार से करत बानी। 30जे बपतिस्मा यूहन्ना देत रहलन, उ उनका के स्वर्ग से मिलल रहल कि आदमी से? हमरा के जवाब दऽ!"

31उ लोग यीशु के सवाल पर, ई कहत आपस में विचार करे लगलन, "अगर हमनी के ई कहत बानी जा, 'कि ई उनका के स्वर्ग से मिलल रहल, ' तऽ ई कहिहे कि, 'तऽ तू उनकर विश्वास काहें नइखऽ करत?' 32बाकी अगर हमनी के ई कहत बानी जा, 'उ मनुष्य से मिलल रहल,' तऽ लोग हमनी पर गुस्सा करिहन।" (उ लोग, लोगन से बहुत डेरात रहलन, काहेंकि सब लोग ई मानत रहलन कि यूहन्ना, असल में एगो भविष्यवक्ता हवन।)

33एह से उ लोग यीशु के जवाब दिहलन, "हमनी के नइखे जानत।"

एह पर यीशु, ओहनी लोगन से कहलन, "तऽ फेरु हमहूँ ना बताइब तहरा के कि हम ई काम कवना अधिकार से करत बानी।"

परमेश्वर के आपन पुत्र के भेजल

(मत्ती 21:33-46; लूका 20:9-19)

12 1यीशु, उदाहरण वाली कहानी के सहारे, ओहनी लोग से कहे लगलन, "एगो आदमी अंगूर के बगइचा लगवलस अउर ओकरा चारो ओर दीवार खड़ा कर दिहलस। फेरु अंगूर के रस खातिर एगो कुंड बनवलस अउर फेरु ओकरा के किराया पर देके, जतरा पर निकल गइल।

2"फेरु अंगूर के पाके वाला मौसम में, उ ओह किसान के पास आपन एगो दास के भेजलस, कि उ किसानन से, बगइचा में जवन अंगूर भइल बा, ओकरा में से, ओकर हिस्सा ले आवे। 3बाकी उ लोग पकड़ के, ओह नौकर के डटलन अउर खाली हाथ ओइजा से भगा दिहलन। 4उ एगो अउर नौकर, ओहनी के पास भेजलस। ओहनी के, ओकरा माथा पर चोट करत, ओकर, बहुत फजीहत कइलन सऽ। 5उ फेरू एगो अउर नौकर के भेजलस, जेकर उ सब हत्या कर दिहलेसन। उ अइसही अउर भी कई गो नौकर भेजलस जवना में से उ सब, कुछ के पिटाई कइलन सऽ अउर केतनन के मार दिहलन सऽ।

6"अब ओकरा पास भेजे खातिर ओकर आपन दुलारा बेटा बाचल रहे। आखिर में उ, ओकरो उनका पास ई कहत भेज दिहलस 'उ सब हमरा बेटा के तऽ इज्जत करबे करिहन सऽ।'

7"उ सब किसान, एक दूसरा से कहलन सऽ, 'ई तऽ ओकर वारिस हऽ। आवऽ लोग एकरा के मार दीही जा। एह से वारिस हमनी के बन जाइब जा।' 8एह तरह से ओहनी के, ओकरा के पकड़ के मार डललेसऽ अउर अंगूर के बगइचा से बाहर फेंक दिहलन सऽ।

9"एह पर अंगूर के बगइचा के मालिक का करी? उ आके ओह किसानन के मार दीही अउर बगइचा दोसरा के दे दीही। 10का तहनी लोग, शास्त्र के ई वचन नइखऽ पढ़ले:

> 'उ पत्थर जेकरा के कारीगर बेकार मनलस, उहे
> कोना के पत्थर बन गइल।'
> 11 ई प्रभु कइलन, जवन कि हमनी के नजर में अद्भुत
> बा।' " *भजन संहिता 118:22-23*

12उ लोग ई समझ गइल रहलन कि उ जवन उदाहरण बतवले बाड़न, उनका खिलाफ रहे। एह से उ लोग उनकरा के कैदी बनावे के कवनो रास्ता खोजे लागल, बाकी लोगन से उ लोग डेरात रहलन, एह से, उनका के छोड़ के चल गइलन।

यीशु के ठगे के कोशिश

(मत्ती 22:15-22; लूका 20:20-26)

13तब ओहनी के कुछ फरीसियन अउर हेरोदियन के, उनका

के बात में फंसावे खातिर उनका पास भेजले सऽ। 14उ लोग, उनका पास आइल अउर कहल, "गुरु, हमनी के जानत बानी जा कि, तू बहुत ईमानदार बाड़ऽ अउर तू एह बात के तनिको परवाह ना करेलऽ कि दोसर लोग का सोचत बाड़न। काहेंकि तू आदमी के औकात चाहे रूतबा पर बिना ध्यान दिहले, प्रभु के राह के सच्चा ज्ञान देबेलऽ। तऽ बतावऽ कि कैसर के कर दिहल ठीक बा कि ना? हमनी के उनका के कर दीही जा कि ना दीही जा?"

15यीशु ओहनी लोग के चाल समझ गइलन। उ ओहनी लोग के कहलन, "तू हमरा के काहें जाँचत बाड़ऽ लोग? एगो दीनार ले आवऽ कि हम ओकरा के देख सकीं।" 16तऽ उ लोग दीनार ले अइलन। फेरु यीशु ओहन लोग से पूछलन, "एकरा पर केकर चेहरा अउर नाम लिखल बा?" उ लोग कहलन, "कैसर के।"

17तब यीशु उ लोग से कहलन, "जवन कैसर के हऽ, ओकरा के कैसर के दऽ अउर जवन परमेश्वर के बा, ओकरा के परमेश्वर के दऽ।" तब उ लोग बहुत चकित भइलन।

सदूकियन के चाल

(मत्ती 22:23-33; लूका 20:27-40)

18फेरु कुछ सदूकी, (जे पुनर्जीवन के ना माने) उनका पास अइलन अउर उनका से पूछलन, 19"हे गुरु, मूसा हमनी खातिर लिखले बाड़न कि अगर केहू के भाई मर जाव अउर ओकर मेहरारू के कवनो बच्चा ना होखे तऽ ओकर भाई के चाहीं कि, उ ओकरा से बिआह कर लेवे अउर फेरु अपना भाई के वंश के बढ़ावे। 20एक बार के बात हऽ कि सात भाई रहलन। सबसे बड़ भाई बिआह कइलस अउर बिना कवनो बच्चा छोड़ले मर गइल। 21फेरु दूसरा भाई ओह अउरत से बिआह कइलस, बाकी उहो बिना कवनो संतान के ही मर गइल। तीसरा भाई भी ओइसही कइलस। 22सातो में से केहू भी कवनो संतान ना छोड़लन। आखि में उ औरत भी मर गइल। 23मरला के बाद जब उ लोग फेरु से जी उठिहन, तऽ बतावऽ लोग, उ अउरत केकर मेहरारू बनी? काहेंकि उ सातो, ओकरा के मेहरारू के रूप में राख चुकल रहलन।"

24यीशु ओहनी लोगन से कहलन, "तू लोग ना तऽ शास्त्र के जानत बाड़ऽ, अउर नाही परमेश्वर के शक्ति के। का इहे पकिया कारन नइखे, जवना से कि तू लोग भटक गइल बाड़ऽ? 25काहें कि उ लोग जब मरल में से जी उठिहन तऽ उनकर बिआह ना होई, बदले में उ लोग स्वर्ग दूत के जइसन स्वर्ग में होइहन। 26मरल के जी उठे के बारे का तोहन लोग, मूसा के किताब में, झाड़ी के बारे में जवन लिखल गइल बा, नइखऽ पढ़ले लोग? ओइजा परमेश्वर मूसा से कहले रहलन, ''हम अब्राहम के परमेश्वर हई, इसहाक के परमेश्वर हईं अउरी याकूब के परमेश्वर हई।' 27उ मरल के ना, बल्कि जीवित लोगन के परमेश्वर हवन। तू लोग भारी भूल में परल बाड़ऽ!"

सबसे बड़हन आदेश

(मत्ती 22:34-40; लूका 10:25-28)

28फेर एगो यहूदी धरम के जानकार आइल अउर उ, ओहनी लोग के तरक वितरक करत सुनलस। ई देख के कि यीशु ओहनी लोगन के कतना बढ़िया तरीका से जवाब दिहले बाड़न, उ यीशु से पूछलस, "सबसे ज्यादा खास आदेश कवन बा?"

29यीशु जवाब दिहलन, "सबसे खास आदेश ई बा: 'हे इस्राएल, सुनऽ! बस हमनी के परमेश्वर ही अकेला प्रभु बाड़न। 30पूरा मन से, पूरा जीवन से, पूरा बुद्धि से अउर आपन पूरा शक्ति से तोहरा प्रभु अपना परमेश्वर से प्रेम करे के चाहीं।' 31दोसर आदेश ई बा: 'अपना पड़ोसी से ओइसहीं प्रेम करऽ जइसे कि तू अपने आपसे करेलऽ।' एह आदेशन से बड़हन अउर कवनो आदेश नइखे।"

32एह पर यहूदी धरम के जानकार उनका से कहलन, "गुरु, तू ठीक कहलऽ। तोहार ई कहल ठीक बा कि परमेश्वर एगो बाड़न, ओकरा अलावा अउर दोसर केहू नइखे। 33आपन पूरा मन से, पूरा समझ-बूझ से, पूरा शक्ति से परमेश्वर के प्रेम कइल अउर अपने जइसन अपना पड़ोसी से प्रेम राखल, सब बलि अउर नेछावर कइल गइल उपहार, जेकर नियम बनावल गइल बा, से बेसी खास बा।"

34जब यीशु देखलन कि उ आदमी समझदारी से जवाब दिहले बा, तऽ उ ओकरा से कहलन, "तू परमेश्वर के राज से दूर नइखऽ।" एकरा बाद केहू अउरी उनका से कवनो दोसर सवाल करे के साहस ना कइलन।

का मसीह दाऊद के पुत्र चाहे दाऊद के प्रभु हवन?

(मत्ती 22:41-46; लूका 20:41-44)

35फेरु यीशु, मंदिर में उपदेश देत कहलन, "धरम के जानकार लोग कइसे कहेलन कि मसीह, दाऊद के पुत्र हवन? 36दाऊद अपनेही पवित्र आत्मा से प्रेरित होके कहले रहलन:

> 'प्रभु परमेश्वर, हमरा प्रभु (मसीह) से कहलन:
> हमरा दाहिना ओर बइठऽ जब तक कि हम तहरा
> दुश्मन के तहरा गोड़ के नीचे ना कर दीहीं।'
>
> *भजन संहिता 110:1*

37दाऊद अपनहीं उनका के 'प्रभु' कहत बाड़न। फेरु मसीह दाउद के पुत्र कइसे हो सकत बाड़न?" एगो भारी भीड़, बहुत खुशी के साथ उनका के सुनत रहे।

धरमशास्त्रीयन के खिलाफ यीशु के चेतावनी

(मत्ती 23:1-36; लूका 20:45-47)

38आपन उपदेश में उ कहलन, "धरम के जानकार लोगन से
सावधान रहऽ। उ लोग आपन लंबा चोंगा पहिर के हेने-ओने
घूमल पसंद करेलन। बाजार में अपना के नमस्कार करवावल
उनका नीमन लागेला। 39अउर आराधनालयन में उ लोग
खास आसन पर बइठल चाहेलन। उ लोग भोज में भी बहुत
खास जगह पावे के इच्छा राखेलन। 40उ लोग विधवन के
संपति हड़प जालन। देखावे खातिर उ लोग लंबा लंबा प्रार्थना
बोलेलन। एहन लोग के कड़ा से कड़ा सजा मिली।"

सच्चा दान

(लूका 21:1-4)

41यीशु दान-पात्र के सामने बइठल देखत रहलन कि लोग
दान-पात्र में कइसे धन डाल रहल बाड़न। बहुत से धनी
लोग बहुत धन डललन। 42फेरु ओइजा एगो गरीब विधवा
आइल, अउर ओहमें उ दूगो दमड़ी डललस, जवन कि एक
पइसा के बराबर भी ना रहलीसऽ।

43फेरु उ अपना चेलन के अपना पास बोलवलन, अउर
ओहनी से कहलन, "हम तहन लोग से साँच कहत बानी,
धनी लोग के जरिए, दान-पात्र में डालल गइल बहुत दान
से एह गरीब विधवा के ई दान कहीं बड़हन बा। 44काहेंकि
उ लोग, जवन कुछ उनका लगे फालतू रहे, ओह में से दान
दिहलन, बाकी ई आपन गरीबी में, जवन कुछ एकरा पास
रहे, सब कुछ दे दिहलस। एकरा पास अतने रहे, जवन एकरा
जीये के सहारा रहल!"

यीशु के जरिए विनाश के भविष्यवाणी

(मत्ती 24:1-44; लूका 21:5-33)

13 1जब उ मंदिर से जात रहलन, उनकर एगो चेला
उनका से कहलस, "गुरु, देखऽ! ई पत्थर अउर
मकान कतना विचित्र बाड़ेसऽ।"

2एह पर यीशु ओकरा से कहलन, "तू एह विशाल मकान
के देख रहल बाड़ऽ? एइजा एगो पत्थर पर दोसरा पत्थर ना
टिकल रही। एक-एक पत्थर ढाह दिहल जाई।"

3जब उ जैतून के पहाड़ पर मंदिर के सामने बइठल
रहलन तऽ उनका से पतरस, याकूब, यूहन्ना अउर अन्द्रियास
अकेले में, पूछल लोग, 4"हमरा के बतावऽ, ई सब कुछ
कब होई? जब ई सब पूरा होखे वाला होई तऽ ओह समय
कइसन इशारा होई?"

5एह पर यीशु कहे लगलन, "सावधान! केहू तहरा के ठग
न पावे। 6हमरा नाम से ढ़ेर लोग अइहन अउर दावा करिहन
'हम उहे हईं।' उ लोग ढ़ेर के ठगिहें। 7जब तू लड़ाई चाहे
लड़ाई के अफवाह के बारे में सुनिहऽ तऽ घबरइहऽ मति।
अइसन तऽ होइबे करी, बाकी अभी अंत नइखे। 8एगो जाति
दोसरा जाति के खिलाफ में अउर एगो राज दोसरा राज के
खिलाफ में खड़ा होइहन। बहुत जगह पर भूकंप आई अउर
अकाल परी। ई सब कष्ट के शुरूआत ही होई।

9"अपना बारे में सावधान रहऽ। उ लोग तहरा के
अदालत के हवाले कर दीहन अउर फेरु तहरा के उनकर
आराधनालयन में पीटल जाई अउर हमरा कारण तहरा
शासन करेवाला अउर राजा के आगे खड़ा होखे के परी,
जवना से कि ओहनी लोग के कवनो सबूत मिल सके।
10लेकिन ई जरूरी बा कि पहिले सब केहू के सुसमाचार
सुना दिहल जाउ। 11अउर जब कबो उ लोग तहरा के पकड़
के, तोहरा पर मुकदमा चलावसु तऽ पहिलहीं से ई चिन्ता मत
करे लगिहऽ कि तहरा का कहेके बा। ओह समय जवन कुछ
तहरा के बतावल जाउ, उहे बोलिहऽ, काहेंकि, ई तू ना हवऽ
जे बोल रहल बाड़ऽ, बल्कि बोले वाला तऽ पवित्र आत्मा हऽ।

12"भाई, भाई के धोखा से पकड़वा के मरवा दीही। बाप,
बेटा के धोखा से पकड़वाई अउर बाल-बच्चा अपना माई-
बाप के खिलाफ खड़ा हो के उनका मरवइहन। 13हमरा चलते
सब लोग तहनी लोग से नफरत करिहन। बाकी जे अंत तक
धीरज धरी, ओकर उद्धार होई।

14"जब तू 'भयंकर विनाश करेवाली चीज के,' जहाँ
ओकरा ना होखे के चाहीं, ओइजा खड़ा देखऽ" (पढ़े वाला
अपने समझ लेबे कि एकरा मतलब का बा।) "तब जे लोग
यहूदिया में होखे, ओकरा पहाड़ पर भाग जाये के चाहीं अउर
15जे लोग अपना घर के छत पर होखे,उ घर में भीतर जा
के कुछउ ले आवे खातिर नीचे ना उतरे। 16अउर जे बहरी
मैदान में होखे, उ पीछे घूम के आपन कपड़ा तक भी ना लेबे।

17"ओह अउरतन खातिर जे गर्भवती होइहन चाहे जिनकर
दूध पीयत बच्चा होइहन, उ सब दिन बहुत डेरावन होइहें।
18प्रार्थना करऽ कि ई सब जाड़ा में मत होखे। 19ओह समय
में अइसन बिपत्ति आई जइसन कि जब से परमेश्वर, एह
संसार के रचले बाड़न, आजतक ना कबो आइल बीया ना
कबो आई। 20अउर अगर परमेश्वर, ओह दिन के घटा ना
दिहले रहितन तऽ केहू भी ना बाचल रहित। बाकी उ चुनल
आदमी के कारण, जेकरा के उ चुनले बाड़न, उ ओह समय
के कम कइले बाड़न।

21"ओह समय में, अगर केहू तोहरा से कहे कि, 'देखऽ,
ई बाड़न मसीह!' चाहे 'हउ बाड़न मसीह' तऽ ओकर
विश्वास मत करिहऽ। 22काहेंकि झूठा मसीह अउर झूठा
भविष्यवक्ता लउके लगिहन, अउर अइसन अइसन, अचरज
चिन्ह देखइहन अउर विचित्र काम करिहन कि हो सके तऽ
चुनल गइल लोगन के भी चक्कर में डाल दिहन। 23एही से
तू सावधान रहिहऽ लोग। हम समय से पहिलहीं तहन लोग
के सब कुछ बता दिहले बानी।

24"ओह समय में, कष्ट के ओह घड़ी के बाद,
'सूरज काला पड़ जइहें, चाँद से उनकर चाँदनी ना
निकली।
25 आकाश से तारा गिरे लगिहें सऽ अउर आकाश में
महाशक्ति सब झकझोर दिहल जइहें।'
यशायाह 13:10; 34:4

26"तब लोग मनुष्य के पुत्र के, महाशक्ति अउर महिमा
के साथे बादल में परगट होत देखिहन। 27फेरु उ आपन
दूत सब के भेज के चारो दिशा में, धरती के एक किनारा से
आसमान के दूसरा किनारा तक, सब जगह से आपन चुनल
गइल आदमी के जुटइहन।

28"अंजीर के पेड़ से शिक्षा लऽ कि जब ओकर डाली
मुलायम हो जालीसऽ अउर ओहपर कोपल फूटे लागेलीसऽ
तऽ तू जान जालऽ कि अब गरमी के मौसम आवे वाला बा।
29अइसहीं जब तू ई सब होखत देखिहऽ तऽ समझ जइहऽ
कि उ समय नजदीक आ गइल बा, बल्कि ठीक दुआरी तक।
30हम तहनी से साँच कहत बानी कि ई तय बा कि, ई लोगन
के जियते ई सब घटना घटी। 31धरती अउर आसमान खत्म
हो जाई बाकी हमार वचन कबहूँ ना टली।

32"ओह दिन चाहे ओह घड़ी के बारे में केहू के कुछउ
मालूम नइखे, ना स्वर्ग में दूत सब के अउर ना अबहीं मनुष्य
के पुत्र के, बस परम पिता परमेश्वर जानत बाड़न।

33सावधान! जागत रहऽ! काहेंकि तू नइखऽ जानत कि उ
समय कब आ जाई। 34"उ अइसने बा, जइसे कवनो आदमी
कवनो जतरा पर जात, सेवकन के उपर आपन घर छोड़ जाउ,
अउर हरेक के ओकर आपन काम दे जाऊ। अउर चौकीदार
के ई आज्ञा देउ कि उ जागत रहे। 35एह से तूहू जागत रहऽ
काहेंकि घर के मालिक ना जाने कब आ जाइ। साँझ गइला,
आधा रात में, मुर्गा बोले के समय चाहे फेरु दिन निकलला
पर। 36अगर उ अचानक आ जाउ तऽ अइसन करऽ कि उ
तहरा के सूतल ना पावे। 37जवन हम तहरा से कहत बानी
उहे सबसे कहत बानी 'जागते रहऽ!' "

यीशु के हत्या के साजिश

(मत्ती 26:1-5; लूका 22:1-2; यूहन्ना 11:45-53)

14 1फसह परब अउर बिना खमीर के रोटी के उत्सव[a]
आवे के दू दिन पहिले के बात हऽ कि प्रमुख याजक
अउर यहूदी धरम के जानकार लोग कवनो अइसन राह
खोजत रहलन कि चालाकी के साथ उनका के कैदी बनावल
जाउ अउर मार दिहल जाउ। 2उ कहत रहलन लोग, "बाकी
ई हमनी के परब के दिन में ना करे के चाहीं, नाहीं तऽ हो
सकत बा कि, लोग कवनो फसाद खड़ा कर देबे।"

यीशु पर इत्र ढालल

(मत्ती 26:6-13; यूहन्ना 12:1-8)

3जब यीशु बैतनिय्याह में, शमौन कोढ़ी के घरे भोजन करे
बइठल रहलन, तबहीं एगो अउरत, उज्जर, चिकन स्फटिक
के एगो बरतन में, शुद्ध बाल छड़ के इत्र लेके आइल। उ, ओह
बरतन के तुरलस अउरी इत्र के यीशु के माथा पर ढाल दिहलस।

4एह पर, ओइजा कुछ लोग खिझिआ के आपस में कहे
लागल लोग, "इत्र के अइसन बरबादी काहें कइल गइल
बा? 5ई इत्र तीन सौ दीनारी से भी बेसी में बेचल जा सकत
रहे। अउर फेरु ओह धन के कंगालन में बाँटल जा सकत
रहे।" उ लोग ओकर बहुत शिकायत कइलन।

6तब यीशु कहलन, "ओकरा के काहें परेशान करत बाड़ऽ
लोग? छोड़ऽ ओकरा के। उ तऽ हमरा खातिर, एगो बड़ा
सुनर काम कइले बीया। 7काहेंकि कंगाल तऽ हमेशा तहनी
लोग के साथे रहिहन, तू जब चाहऽ उनकर मदद कर सकत
बाड़ऽ, बाकी हम हमेशा तोहरा साथ ना रहब। 8ई अउरत उहे
कइले बीया जवन उ कर सकत रहल। उ समय से पहिलहीं,
गाड़ल जाये खातिर हमरा शरीर पर, गंध छिड़क के, ओकरा
के तइयार करले बीया। 9हम तहनी लोग से साँच कहत
बानी: पूरा संसार में जहँवा भी सुसमाचार के प्रचार-प्रसार
कइल जाई, ओइजे, एकरा याद में, जवन कुछ ई कइले
बीया, ओकर चर्चा होई।"

यहूदा यीशु से दुश्मनी ठानत बाड़न

(मत्ती 26:14-16; लूका 22:3-6)

10तब यहूदा इस्करियोती जवन कि उनका बारहगो चेलन में से
एगो रहल, परधान याजक के पास यीशु के धोखा से पकड़वावे
खातिर गइल। 11उ ओकर बात सुन के बहुत खुश भइलन,
अउर उ, ओकरा के धन देबे के वचन दिहलन। एह से फेर
यहूदा, यीशु के धोखा से पकड़वावे के फिराक में रहे लागल।

फसह के भोज

(मत्ती 26:17-25; लूका 22:7-14, 21-23;
यूहन्ना 13:21-30)

12बिना खमीर के रोटी के उत्सव से एक दिन पहिले, जब
फसह(मेमना) के बलि दिहल जात रहल, उनकर चेला उनका
से पूछलन सऽ, "तू का चाहत बाड़ऽ कि हमनी के कहँवा
जाके तहरा खाये खातिर फसह भोज के तइयारी करीं जा?"

13तब उ अपना दूगो चेलन के, ई कहके भेजलन, "नगर
में जा लोग, जहँवा तहनी लोग के एगो आदमी पानी के घड़ा
लिहले मिले, ओकरा पीछे-पीछे लाग जइहऽ। 14फेरु जहँवा

[a] ***14:1*** **बिना खमीर के रोटी के उत्सव** यहूदियन के ई उत्सव एगो बहुत खास परब हऽ। एह दिन उ लोग बिना खमीर के रोटी के संगे एगो खास तरह के भोजन करेलन।

भी उ भीतर जाव, ओह घर के मालिक से कहिहऽ लोग,
'गुरु पूछले बाड़न कि भोजन वाला हमार कमरा कहाँ बा,
जहाँ हम आपन चेलन के साथ फसह के खाना खा सकीं।'
15फेरु उ तहरा के, उपर के एगो बड़ सजल-सजावल
तइयार कमरा देखाई, ओइजे हमनी खातिर तइयारी करऽ
लोग।"

16तब उनकर चेला चल दिहलेसन जहँवा उ हर बात
ओइसने पवलन सऽ जइसन कि यीशु ओहनी से कहले
रहलन। तब उ लोग फसह के खाना तइयार कइलन।

17दिन गिरला अपना बारह चेलन के साथ यीशु ओइजा
पहुँचलन। 18जब उ लोग बइठ के खाना खात रहलन, तब
यीशु कहलन, "हम साँच कहत बानी: तहनी लोग में से केहू
एगो जे हमरा साथ भोजन कर रहल बा, उहे हमरा के धोखा
से पकड़वाई।"

19एह बात से दु:खी हो के, उ लोग एक दोसरा से कहे
लगलन, "ई तय बा कि हम, उ ना हईं!"

20तब यीशु ओहन लोग से कहलन, "उ बारहो में से उहे
एगो बा, जवन कि हमरा साथ एक ही थाली में खाला।
21मनुष्य के पुत्र के तऽ जाहीं के बा, जइसन कि उनका
बारे में लिखल बा। बाकी ओह आदमी के धिक्कार बा,
जेकरा जरिए मनुष्य के पुत्र पकड़वावल जइहन। ओह
आदमी खातिर केतना बढ़िया होईत कि उ पैदा ही ना
भइल रहित।"

प्रभु के भोज

(मत्ती 26:26-30; लूका 22:15-20;
1 कुरिन्थियों 11:23-25)

22जब उ लोग अभी खाना खाते रहलन, यीशु रोटी लिहलन,
धन्यवाद दिहलन, रोटी के तोड़लन अउर ओकरा के, ओहनी
लोग के देत कहलन, "लऽ, ई हमार देह हऽ।"

23फेरु उ कटोरा उठवलन, धन्यवाद कइलन अउर
ओकरा के ओहनी के दिहलन अउर ओह में से उ सब लोग
पिअलन। 24तब यीशु कहलन, "ई हमार लहू हऽ, जवन कि
एगो नया वाचा के शुरूआत हऽ। ई बहुतन खातिर बहावल
जा रहल बा। 25हम तहरा से साँच कहत बानी कि अब हम
ओह दिन तक दाखमधु के ना चीखब जब तक परमेश्वर के
राज में नया दाखमधु ना पीयब।"

26तब एगो गीत गा के, उ जैतून के पहाड़ पर चल गइलन।

यीशु के भविष्यवाणी —
सब चेला उनका के छोड़ जइहन

(मत्ती 26:31-35; लूका 22:31-34; यूहन्ना 13:36-38)

27यीशु ओहनी लोग से कहलन, "तहनी सब के विश्वास
डोल जाई। काहेंकि लिखल बा:

'हम गड़ेरिया के मारब अउर भेड़ तितर-बितर हो
जइहें सन।' *जकर्याह 13:7*

28बाकी फिर से जी उठने के बाद, हम तहनी लोग से
पहिलहीं गलील चल जाइब।" 29तब पतरस कहलन, "चाहे
सब आपन विश्वास भुला देव, बाकी हम ना भुलाइब।"

30एह पर यीशु उनका से कहलन, "हम तहरा से सच
कहत बानी, आज एही रात में, मुर्गा के दू बार बोले से पहिले
तू तीन बार हमरा के नकार देबऽ।"

31एह पर पतरस अउर जोर देत कहलन, "अगर हमरा,
तहरा संगे मरे के परी तबहूँ, हम तहरा के कभी ना नकारब!"
तब बाकी के सब चेला भी अइसहीं कहलन सऽ।

यीशु के एकांत प्रार्थना

(मत्ती 26:36-46; लूका 22:39-46)

32फेरु उ लोग एगो अइसन जगह पर आइल, जेकरा के
गतसमने कहल जात रहे। ओइजा यीशु अपना चेलन से
कहलन, "जब तक हम प्रार्थना करत बानी, तहनी लोग एइजे
बइठऽ।" 33अउर पतरस, याकूब अउर यूहन्ना के उ अपना
साथ ले गइलन। उ बड़ा दुखी अउर बेचैन होत रहलन। 34उ
ओहनी लोग से कहलन, "हमार मन दुखी बा, जइसे हमार
प्राण निकल जाई। तू लोग एइजे रूकऽ अउर सावधान
रहऽ।"

35फेरु थोड़ा अउर आगे बढ़ला के बाद, उ धरती पर झुक
के प्रार्थना करे लगलन कि अगर हो सके तऽ ई समय हमरा
पर से टल जाउ। 36फेरु उ कहलन, "हे परम पिता! तोहरा
खातिर सब संभव बा। एह कटोरा[a] के हमरा से दूर करऽ।
फेरू हम जवन कुछ भी चाहत बानी, उ ना, बल्कि जवन तू
चाहत बाड़ऽ, उहे करऽ।"

37फेरु उ लवटलन तऽ उ आपन चेलन के सूतल देखके
पतरस से कहलन, "शमौन, का तू सूत रहल बाड़ऽ? का तू
एको घड़ी जाग ना सकलऽ? 38जागत रहऽ, अउर प्रार्थना
करऽ जवना से कि तू कवनो जाँच में मत परऽ। आत्मा तऽ
चाहत बीया, बाकी देह कमजोर बीया।"

39उ फिर चल गइलन अउर ओइसहीं वचन बोलत उ
प्रार्थना कइलन। 40जब उ दुबारा लवटलन तऽ ओहनी लोग के
फेरु सूतल पवलन। ओहनी लोगन के आँख में नींद भरल रहे।
ओहन लोग के बुझात ना रहल कि उनका का जवाब दीहीं।

41उ तीसरा बार फेरू लवट के अइलन अउर ओहनी
लोग से बोललन, "का तू लोग अभिओ आराम से सूत रहल
बाड़ऽ? अच्छा, तऽ सूतल रहऽ। उ घड़ी आ गइल बीया जब
मनुष्य के पुत्र, धोखा से पकड़वावल जा के पापियन के हाथ में

[a] ***14:36*** **कटोरा** एइजा यीशु ओह कष्ट के ओर इशारा कर रहल
बाड़न जवन आगे चल के उनका सहे के बा।

दिहल जा रहल बा। 42खड़ा हो जा! आवऽ चलीं जा। देखऽ, ई आ रहल बा, हमरा के धोखा से पकड़वावे वाला आदमी।"

यीशु के बंदी बनावल

(मत्ती 26:47-56; लूका 22:47-53; यूहन्ना 18:3-12)

43यीशु बोलते रहलन कि, उनकर बारह गो चेला में से एगो, यहूदा ओइजा लउकल। ओकरा साथे, लाठी अउर तलवार लिहले एगो भीड़ रहल, जेकरा के याजक, धरम के जानकार, अउर उमरदराज यहूदी अगुआ लोग भेजले रहलन।

44धोखा से पकड़वावे वाला, ओहनी सब के ई इशारा बता के रखले रहल, "जेकरा के हम चूमीं, उहे उ हऽ। ओकरा के कैद में ले लिहऽ अउर सावधानी से ले जइहऽ लोग।" 45एह से जइसहीं यहूदा ओइजा आइल, उ यीशु के पास जाके कहलस, "रब्बी!" अउर उनका के चूम लिहलस। 46फेरु तुरंत ओहनी उनका के पकड़ के कैद में ले लिहलेसऽ। 47उनकर एगो चेला, जे कि उनका पास में ही खड़ा रहल, आपन तलवार खींच दिहलस अउर महायाजक के एगो सेवक पर चला दिहलस जवना से कि ओकर कान कट गइल।

48फेरु यीशु ओहनी से कहलन, "का हम कवनो अपराधी हईं, जेकरा के पकड़े खातिर, तहनी लोग लाठी-तलवार ले के आइल बाड़ऽ? 49हरेक दिन, मन्दिर में उपदेश देत, हम तहनी लोग के साथे तऽ रहनी बाकी हमरा के तहनी लोग ना पकड़लऽ। अब ई भइल, जवना से कि शास्त्र के वचन पूरा होखे।" 50फेरु उनकर सब चेला, उनका के अकेला छोड़ के भाग गइलन।

51आपन बिना कपड़ा के देह पर एगो चादर लपेटले, एगो जवान आदमी उनका पीछ-पीछे आवत रहल। उ, ओकरा के पकड़ल चहलन, 52बाकी उ आपन चादर छोड़ के नंगे भाग चलल।

यीशु के पेशी

(मत्ती 26:57-68; लूका 22:54-55, 63-71; यूहन्ना 18:13-14, 19-24)

53उ लोग यीशु के प्रधान याजक के पास ले गइल। फेरु सभे प्रमुख याजक, उमिरदार यहूदी अगुआ अउर धरम के जानकार लोग जुटल लोग। 54पतरस, ओहनी सब से दूर-दूर रहत, ओहनी के पीछे-पीछे महायाजक के आँगन के भीतर तक चल गइलन। अउर ओइजा, पहरदारन संगे बइठ के आग तापे लागल।

55पूरा यहूदी महासभा, अउर प्रमुख याजक, यीशु के फांसी देबे खातिर उनका खिलाफ कवनो सबूत खोजे के कोशिश करत रहलन, बाकी खोज ना पवलन। 56बहुत लोग उनका खिलाफ में झूठ गवाही दिहलन, बाकी उ गवाही आपस में विरोधी रहलीसऽ।

57फेरु कुछ लोग खड़ा भइलन अउर उनका खिलाफ, झूठ गवाही देत कहे लगलन, 58"हमनी के, इनका के ई कहत सुनले बानी जा, 'मनुष्य के हाथ से बनल एह मंदिर के हम ढाह देब, अउर फेरु तीन दिन के भीतर दोसर बना देब, जवन कि हाथ से बनल ना रही।' " 59बाकी एह में भी, ओहनी के गवाही एक जइसन ना रहलीसऽ।

60तब उनका सामने, खड़ा होके महायाजक, यीशु से पूछलन, "ई लोग तहरा खिलाफ का गवाही दे रहल बाड़न? का एकरा जवाब में तहरा कुछ नइखे कहे के?" 61एह पर यीशु चुप रहलन। उ कवनो जवाब ना दिहलन।

महायाजक, उनका से फेरु पूछलन, "का तू पवित्र परमेश्वर के पुत्र मसीह हवऽ?"

62यीशु कहलन, "हम हईं। अउर तू मनुष्य के पुत्र के, ओह परम शक्तिशाली के दाहिना ओर बइठल, अउर स्वर्ग के बादल में आवत देखबऽ।"

63महायाजक आपन कपड़ा फाड़त कहलन, "हमनी के अउर गवाह के का जरूरत बा? 64तहन लोग एह अपमान से भरल बात कहत एकरा के सुनलऽ, अब तहन लोग के का विचार बा?"

उ सब, उनका के अपराधी बतावत कहलन सऽ, "एकरा के मौत के सजा मिले के चाहीं।" 65तब कुछ लोग उनका पर थूकत, कुछ उनकर मुँह के तोपत, कुछ घूंसा मारत, अउर कुछ मजाक उड़ावत कहे लगलन सऽ, "भविष्यवाणी करू!" अउर फेरु पहरदार सब पकड़ के उनका के पिटलन सऽ।

पतरस के यीशु के नकारल

(मत्ती 26:69-75; लूका 22:56-62; यूहन्ना 18:15-18, 25-27)

66पतरस अभी आँगन में बइठल रहलन कि महायाजक के एगो नौकरानी आइल। 67जब उ पतरस के ओइजा, आग तापत देखलस तऽ बड़ा ध्यान से, उनका के पहिचान के कहलस, "तूहू तऽ यीशु नासरी के संगे रहलऽ।"

68बाकि पतरस मुकर गइलन, अउर कहे लगलन, "हम नइखीं जानत चाहे हमरा समझ में नइखे आवत कि तू का कहत बाड़ू।" ई कहत उ मकान के दुआरी तक, चल गइलन, अउर मुरगा बोललस।

69उ नौकरानी, जब उनका के दुबारा देखलस, तऽ ओइजा खड़ा लोगन से फेरु कहे लागल, "ई आदमी भी ओही में से एगो हऽ।" 70पतरस फेरु मुकर गइलन।

फेरु थोड़े देर के बाद, ओइजा खड़ा लोग पतरस के कहलन, "जरूर तू उनकरा में से एगो हवऽ, काहेंकि, तूहूँ गलील के बाड़ऽ।"

71तब पतरस अपना के धिक्कारे अउर किरिया खाये

लगलन, “जेकरा बारे में तू बात कर रहल बाड़ऽ, ओह आदमी के हम नइखीं जानत।”

72ओही घड़ी मुरगा दोसरा बार बोललस। पतरस के ओही समय उ बात याद आ गइल, जब उनका से यीशु कहले रहलन: “एकरा पहिले कि मुरगा दू बार बोले, तू तीन बार हमरा के नकरबऽ।” तब पतरस जइसे कि टूट गइलन। उ खूब रोअे लगलन।

यीशु पिलातुस के सामने पेश

(मत्ती 27:1-2; 11-14; लूका 23:1-5; यूहन्ना 18:28-38)

15 1जइसहीं सबेरा भइल, महायाजक, धरम के जानकार, वृद्ध यहूदी अगुआ अउर पूरा यहूदी महासभा एगो योजना बनवलस। उ लोग यीशु के बँधवा के ले गइल अउर उनका के, राज्यपाल पिलातुस के सँउप दिहलन।

2पिलातुस उनका से पूछलन, “तू का यहूदियन के राजा हवऽ?”

यीशु जवाब दिहलन, “अइसने बा। तू अपने आप कह रहल बाड़ऽ।”

3फेरु प्रमुख याजक उनका पर बहुत दोष लगवलन। 4पिलातुस उनका से फेरु पूछलन, “का तहरा जवाब नइखे देबे के? देखऽ उ लोग केतना बात के दोष तहरा पर लगा रहल बाड़न।”

5बाकी यीशु अभिओ कवनो जवाब ना दिहलन। एह पर पिलातुस के बड़ा अचरज भइल।

पिलातुस यीशु के छोड़े में नाकामयाब

(मत्ती 27:15-31; लूका 23:13-25; यूहन्ना 18:39-19:16)

6फसह परब के मौका पर, पिलातुस कवनो एगो कैदी के, जेकरा के लोग चाहत रहलन, उनका खातिर छोड़ देत रहलन। 7बरअब्बा नाम के एगो कैदी ओह उपद्दर करेवालन के संग जेल में रहल, जवन कि दंगा में हत्या कइले रहलन सऽ।

8लोग अइलन अउर पिलातुस से कहे लगलन कि उ जइसन, हमेशा से, उनका खातिर करत आइल बाड़न, ओइसने करसु। 9पिलातुस ओहनी लोग से पूछलन, “का तहनी लोग चाहत बाड़ऽ कि हम तहनी लोग खातिर, यहूदियन के राजा के छोड़ दीहीं?” 10पिलातुस ई एह से कहलन कि उ जानत रहलन कि, प्रमुख याजक सब, जलन के कारण ही उनका के पकड़ववले बाड़ेसन। 11बाकी प्रमुख याजक सब, भीड़ के उकसवलन सऽ कि उ, उनका जगह पर, ओहनी के खातिर, बरअब्बा के छोड़सु।

12बाकी पिलातुस, ओहनी से बात करके फेरु पूछलन कि, “जेकरा के तू लोग यहूदियन के राजा कहत बाड़ऽ, ओकर हम का करीं, बतावऽ लोग, तू लोग का चाहत बाड़ऽ?”

13जवाब में उ लोग चिल्लाइल, “ओकरा के क्रूस पर चढ़ा दऽ!”

14तब पिलातुस ओहनी से पूछलन, “काहें, उ अइसन कवन गलती कइले बाड़न?” बाकी ओहनी के अउर बेसी चिल्ला के कहलन सऽ, “ओकरा के क्रूस पर चढ़ा दऽ।”

15पिलातुस भीड़ के खुश कइल चाहत रहलन, एहसे उ, ओहनी खातिर बरअब्बा के छोड़ दिहलन अउर यीशु के कोड़ा लगवा के, क्रुस पर चढ़ावे खातिर सँउप दिहलन।

16फेरु सिपाही उनका के, रोम के राज्यपाल के घर पर ले गइलन। उ सब, सिपाही के पूरा पलटन के बोलवा लिहलन सऽ। 17फेरू उ सब यीशु के बैगनी रंग के कपड़ा पहिनवलन सऽ, अउर काँटा के एगो मुकुट बना के, उनका माथा पर रख दिहलन सऽ। 18फेरु उनका के सलामी देबे लगलन सऽ: “यहूदियन के राजा के स्वागत बा!” 19उ सब, उनका माथा पर सरकंडा मारत जात रहलन सऽ। उ सब उनकरा पर थूकत रहलन सऽ। अउर, घुटना पर झुक के, उ सब उनका आगे नमस्कार करत जात रहलन सऽ। 20एह तरह से, जब उ सब, उनकर मजाक उड़ा चुकलन सऽ तब उ सब उनकर बैगनी कपड़ा उतार के, उनका के, उनकर आपन कपड़ा पहिना दिहलन सऽ। अउर फेरु उनका के क्रूस पर चढ़ावे खातिर, बाहर ले गइलन सऽ।

यीशु के क्रूस पर चढ़ावल गइल

(मत्ती 27:32-44; लूका 23:26-39; यूहन्ना 19:17-19)

21ओहनी के कुरैन के रहे वाला शिमौन नाम के एगो आदमी, राह में मिलल। उ गाँव से आवत रहल। उ सिकन्दर अउर रूफुस के बाप रहल। सिपाही ओकरा पर दवाब डलले सऽ कि उ यीशु के क्रूस उठा के ले चले। 22फेरु उ सब यीशु के गुलगुता (जेकर मतलब होखेला “खोपड़ी-स्थान”) नाम के जगह पर ले गइलन सऽ। 23तब उ सब, उनका के लोहबान मिलावल दाखरस पीये खातिर दिहलन सऽ बाकी, उ ना लिहलन। 24फेरु उनका के क्रूस पर चढ़ा दिहल गइल। उनकर कपड़ा उ बाँट लिहलन सऽ, अउर ई देखे खातिर कि के कवन लीही, पासा फेंकलन सऽ।

25दिन के नौ बजल रहे, जब उ सब उनका के क्रूस पर चढ़वले सऽ। 26उनका खिलाफ एगो लिखल आरोप पत्र रहल, जेकरा पर लिखल रहल: “यहूदियन के राजा।” 27उनका साथ दूगो डाकू भी क्रूस पर चढ़ावल गइलन। एगो उनका दाहिना ओर, अउर दोसर बाँया ओर। 28तब धर्मशास्त्र के उ वचन, “उ डाकू के संगे गिनल गइलन, पूरा भइल।”

29उनका बगल से जात लोग उनकर बेइज्जती करत रहलन। आपन मूड़ी नचा-नचा के कहत रहलन लोग, “अरे, वाह! तू उहे हवऽ, जे मन्दिर के ढाह के तीन दिन में फेरु बनावे वाला रहलऽ। 30अब क्रूस पर से नीचे उतरऽ अउर

अपने आपके तऽ बचा लऽ!" 31एही तरह से प्रमुख याजक अउर धरमशास्त्री लोग भी, यीशु के मजाक उड़ावल। उ लोग अपने में कहे लगलन, "ई दोसरा के उद्धार करत रहलन, बाकी अपने आप के नइखन बचा सकत। 32अब एह 'मसीह' अउर 'इस्त्राएल के राजा के' क्रूस पर से नीचे तऽ उतरे दऽ, जवन से कि हमनि ई देख के ओकरा में विश्वास कर सकीं।" उ दूनो भी, जवन कि उनका साथ क्रूस पर चढ़ावल गइल रहले सऽ, उनकर बेइज्जती कइलन सऽ।

यीशु के मौत

(मत्ती 27:45-56; लूका 23:44-49; यूहन्ना 19:28-30)

33फेरु पूरा धरती पर दुपहरिया तक अन्हार भइल रहल। 34दिन के तीन बजे, ऊँचा बोली में पुकारत यीशु कहलन, "इलोई, इलोई, लमा शबकतनी।" मतलब, "हमार परमेश्वर, हमार परमेश्वर, तू हमरा के काहें भुला दिहलऽ?"

35जे पास में खड़ा रहल, ओकरा मे से कुछ लोग जब ई सुनलन तऽ उ लोग बोललन, "सुनऽ! ई एलिय्याह के बोला रहल बा।"

36तब एगो आदमी, दउड़ के, सिरका में डुबावल स्पंज, एगो छड़ी पर टाँग के ले आइल अउर ओकरा यीशु के पीये खातिर दिहलस अउर कहलस, "ठहरऽ देखत बानी कि, एकरा के नीचे उतारे खातिर एलिय्याह आवत बाड़े कि ना।"

37फेरु यीशु जोर से पुकार कइलन अउर प्राण त्याग दिहलन।

38तबहीं मंदिर के दरवाजा, उपर से नीचे तक फाटि के दू टुकड़ा हो गइल। 39सेना के एगो अधिकारी, जे कि यीशु के सामने खड़ा रहल, उनका के पुकार करत सुनलस अउर देखलस कि उ कइसे, प्राण त्याग दिहलन। उ कहलस, "ई आदमी सही में परमेश्वर के पुत्र रहल!"

40कुछ अउरत सब, दूर से खड़ा हो के देखत रहलीसन, जवना में, मरियम मग्दलीनी, छोटा याकूब अउर योसेस के माई मरियम अउर सलोमी रहली। 41जब यीशु गलील में रहलन तब ई अउरत उनकर चेलिन रहली सऽ अउर उनकर सेवा करत रहली सन। ओइजे अउर बहुत अउरत रहली सन जे उनका साथ यरूसलेम तक आइल रहली सन।

यीशु के दफनावल

(मत्ती 27:57-61; लूका 23:50-56; यूहन्ना 19:38-42)

42साँझ हो गइल रहल, अउर चूंकि सब्त के पहिले के, उ तइयारी के दिन रहल 43एह से अरिमतिया के यूसुफ अइलन। उ यहूदी महासभा के आदरणीय सदस्य रहलन अउर परमेश्वर के राज के आवे के बाट जोहत रहलन। हिम्मत के साथ उ पिलातुस के पास गइलन अउर उनका से यीशु के शव मंगलन।

44पिलातुस के भारी अचरज भइल कि उ अतना जल्दी कइसे मर गइलन। उ सेना के अधिकारी के बोलवलन अउर उनका से पूछलन, का उनका मरला ढ़ेर देर हो गइल बा? 45फेरु जब उ सेना के अधिकारी से पूरा बात सुन लिहलन तऽ यूसुफ के लाश दे दिहलन।

46फेरु यूसुफ, सन के बढ़िया रेशम से बनल थोड़ा कपड़ा खरीदलन, यीशु के क्रूस पर से नीचे उतरलन, उनका शव के ओह कपड़ा में लपेटलन, अउर, ओकरा के एगो कब्र में राख दिहलन, जेकरा के पत्थर के काट के बनावल गइल रहल। अउर फेरु कब्र के मुँह पर एगो बड़हन पतथर डगरा के टिका दिहलन। 47मरियम मगदलीनी अउर योसेस के माई मरियम देखत रहली कि यीशु के कहाँ राखल गइल बा।

यीशु के फेरु से जी उठल

(मत्ती 28:1-8; लूका 24:1-12; यूहन्ना 20:1-10)

16 1सब्त के दिन बीत गइला पर मरियम मगदलीनी, सलौमी अउर याकूब के माई मरियम यीशु के शव के अभिषेक करके पावे खातिर सुगंधित चीज किन लिहली। 2सप्ताह के पहिला दिने, बड़ा सबेरे सूरज निकलते, उ लोग कब्र पर गइली। 3उ लोग आपस में कहत रहली, "हमनी खातिर कब्र के दुआरी पर से, पत्थर के कवन सरकाई?"

4फेरु जब उ लोग आँख उठावल, तऽ देखली कि उ बहुत बड़हन पत्थर ओइजा से हटल बा। 5फेरु जब उ लोग कब्र के भीतर गइली तऽ उ लोग देखल कि सफेद कपड़ा पहिनले, एगो जवान आदमी दाहिने ओर बइठल बा। उ लोग डेरा गइल।

6फेरु जवान आदमी, ओहनी लोग से कहलस, "डेरा मत, तहनी लोग जवना यीशु नासरी के, खोज रहल बाड़ू, जेकरा के क्रूस पर चढ़ावल गइल रहे, उ जी गइल बा। उ एहिजा नइखें। एह जगह के देखऽ, जहँवा ओहनी लोग उनका के रखले रहलन। 7अब तहन लोग जा अउर उनकर चेला सब के अउर पतरस से कहऽ कि उ तहन लोग से पहिले गलील जा रहल बाड़न, जइसन कि उ तहनी लोग से कहले रहलन, उ तहनी लोग के ओइजे मिलिहन।"

8तब डर अउर अचरज में डूबल उ लोग कब्र से बाहर निकललके भाग गइली। उ लोग केहू के कुछउ ना बतावल, काहेंकिं उ लोग बहुत घबराइल रहली।

कुछ अनुयायी सब के यीशु के दरसन

(मत्ती 28:9-10; यूहन्ना 20:11-18; लूका 24:13-35)

9सप्ताह के पहिला दिन, सुबह में जी उठला के बाद, उ सबसे पहिले मरियम मगदलीनी के सामने परगट भइलन, जेकरा के उ सातगो दुष्ट आत्मा से मुक्ति दिअवले रहलन। 10उ, यीशु

के साथी लोग के, जे शोक में डूबल, अउर रोअत रहलन, जाके बतवली। 11जब ओहनी लोग सुनलन कि यीशु जिन्दा बाड़न, अउर उ अउरत उनका के देखले बीया, तऽ उ लोग विश्वास ना कइलन।

12एकरा बाद, ओहनी लोग में से दूगो के सामने, जब उ लोग खेत जाए के राह में रहल लोग, उ एगो दोसरा रूप में परगट भइलन। 13उ लोग लवट के, दोसरा लोगन के भी एकर खबर दिहल लोग, बाकी, उ लोग भी उनकरा लोगन के विश्वास ना कइलन।

चेलन से यीशु के बातचीत

(मत्ती 28:16-20; लूका 24:36-49; यूहन्ना 20:19-23; प्रेरितों के काम 1:6-8)

14बाद में, जब उनकर एगारहो चेला भोजन करत रहलन, उ, ओहनी लोग के आगे परगट भइलन अउर उ, ओहनी लोग के, उनकर अविश्वास अउर मन के बेवकूफी के खातिर डँटलन फटकारलन, काहेंकि, ई लोग, उनकर विश्वास ना कइले रहलन, जे कि यीशु के जी उठला के बाद उनका के देखले रहलन।

15फेरु उ ओहनी लोग से कहलन, "जा अउर पूरा दुनिया के लोगन के सुसमाचार के उपदेश दऽ लोग। 16जे केहू विश्वास करी अउर बपतिस्मा लीही, ओकर उद्धार होई अउर जे विश्वास ना करी, उ दोषी ठहरावल जाई। 17जे हमरा में विश्वास करी, उनका में ई पहचान रही: उ लोग हमरा नाम पर दुष्ट आत्मा सब के बाहर निकाल सकिहें, उ नया नया भाषा बोलिहें, 18उ लोग अपना हाथ से साँप पकड़ लीहें अउर उ लोग अगर जहर भी पी जइहें तऽ उनका नुकसान ना होई, उ लोग रोगीन पर आपन हाथ रखिहन अउर उ ठीक हो जइहें।"

यीशु के स्वर्ग वापसी

(लूका 24:50-53; प्रेरितों के काम 1:9-11)

19एह तरह से जब प्रभु यीशु उनका से बात कर लिहलन तऽ उनका के स्वर्ग पर उठा लिहल गइल। उ परमेश्वर के दाहिने बइठ गइलन। 20उनकर चेला सब, बाहर जा के सब जगह उपदेश दिहलन, उनका साथ प्रभु काम करत रहलन। प्रभु वचन के अचरज करम के शक्ति से जोड़ के सच साबित कइलन।